सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 72 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 25 दिसंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

प्रदीप मिश्रा ने की महादेव ऐप प्रमोटर्स की तारीफ!

कथावाचक से पूछताछ को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग शुरू

- कथावाचक को खुद पुलिस के पास जाना चाहिए - कांग्रेस
- धर्म संस्कृति के नाम पर बौखलाती क्यों है कांग्रेस - भाजपा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रसिद्ध कथावाचक प्रदीप मिश्रा के दुबई में हुए कार्यक्रम पर नए सिरे बवाल मच गया है। कांग्रेस ने उस कार्यक्रम के फोटो साझा करते हुए कहा है कि ईडी को इस मामले में प्रदीप मिश्रा से पूछताछ करनी चाहिए। उससे पूछा जाना चाहिए कि उनका महादेव ऐप के प्रमोटर और कथा के आयोजक सौरभ चंद्राकर से क्या कनेक्शन है। वे उसके सम्पर्क में कैसे आए। भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा है कि धर्म का नाम सुनते ही कांग्रेसी बिदक जाते हैं।

दरअसल, शिव महापुराण की कथा सुनाने वाले प्रदीप मिश्रा ने 9 से 11 दिसम्बर तक दुबई में कार्यक्रम दिया। दुबई के मेरीडियन होटल एवं कांफ्रेंस सेन्टर में यह आयोजन था। आयोजन में महादेव ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल भी अपने परिवार के साथ शामिल हुए। दोनों ने कथावाचक पर फूल बरसाए और पैर छूकर आशीर्वाद भी लिया। कथावाचक ने उन्हें मेजबान के रूप में संबोधित करते हुए धन्यवाद ज्ञापन भी किया। इसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

बता दें कि महादेव ऐप के प्रमोटर्स को भारतीय जांच एजेंसिया शिद्दत से तलाश रही हैं। इस मामले में ईडी और सीबीआई ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में धन शोधन का भी एंगल है जिसकी जांच पीएमएलए के तहत की जा रही है। इधर कचावाचक का फिलहाल रायपुर के सेजबहार में शिव महापुराण का कार्यक्रम चल रहा है।

> **जिम्मेदार नागरिक बनकर दिखाएं कथावाचक**
>
> महादेव ऐप के मामले में भाजपा बड़ी-बड़ी बातें करती थी। प्रदीप मिश्रा महादेव ऐप के सरगनाओं के आमंत्रण पर दुबई भी गए थे। ऐसे में उनके महादेव एप के प्रमोटर्स के साथ क्या संबंध हैं? इस बारे में उनसे पूछताछ की जानी चाहिए। इससे महादेव के अपराधी के बारे में क्लू मिलेगा। कथावाचक को स्वयं एक जिम्मेदार नागरिक की तरह आगे आकर पुलिस को इसके बारे में जानकारी देनी चाहिए।
>
> **- सुशील आनंद शुक्ला, कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख**

> **सनातन के नाम पर बिदकती क्यों है कांग्रेस**
>
> सनातन धर्म का विरोध कांग्रेस की रग-रग में है। वह सनातन धर्म और संस्कृति की बातें सुनकर बौखलाने लगती है। धर्म के प्रचार प्रसार के नाम पर कांग्रेस का सनातन विरोधी डीएनए जाहिर होने लगता है। हिन्दू समाज के लाखों लोग सनातनी संतों की सभा में आते हैं, चाहे वे पं. प्रदीप मिश्रा हों, चाहे पं. धीरेंद्र शास्त्री। उनकी कथा और प्रवचन को सुनते हैं तो कांग्रेस की बेचैनी बढ़ जाती है।
>
> **- केदारनाथ गुप्ता, प्रदेश प्रवक्ता, भाजपा**

खास-खबर

छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों में आज बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश में एक बार फिर मौसम अपना मिजाज दिखाना शुरू कर दिया है। आज बस्तर संभाग और उससे लगे जिलों में एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने और गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। लेकिन यहां के न्यूनतम तापमान में अगले 5 दिनों तक किसी भी प्रकार से कोई खास परिवर्तन नहीं होगा। प्रदेश के कुछ जिलों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण 27 और 28 दिसंबर को हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार है।

बंगाल की खाड़ी से नमी का प्रवेश दक्षिण छत्तीसगढ़ में लगातार जारी रहेगा। जिससे यहां पर निम्न स्तर के बादल छाए रहेंगे। वहीं भारतीय क्षेत्र को एक नया पश्चिमी विक्षोभ प्रभावित करने के कारण उत्तर छत्तीसगढ़ में 27 से 28 दिसंबर को हल्की बारिश होने के आसार हैं।

घर बुलाकर छात्रा से छेड़खानी, शिक्षक को 10 साल की सजा

दंतेवाड़ा। जिला एवं सत्र न्यायालय ने पॉक्सो और एस्ट्रोसिटी के मामले में एक छात्रा से छेड़खानी के आरोपी शिक्षक अजय सिंह को 10 साल की सजा सुनाई है। 29 अक्टूबर को शिक्षक ने छात्रा को अपने गीदम निवास पर खेल का फॉर्म लेकर आने के बहाने बुलाया था। उसने उसके साथ दुराचार का प्रयास किया। मामले की आदिम जाति कल्याण थाना और दंतेवाड़ा कोतवाली में शिकायत की गई थी। फास्ट ट्रेक कोर्ट के न्यायधीश शैलेश शर्मा ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी अजय सिंह को पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी पाया और भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 के तहत पांच वर्ष का सश्रम कारावास और 50 हजार रुपए अर्थदंड और धारा 10 के तहत सात वर्ष का सश्रम करावास और 50 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 26 जोड़ों की शादी

धमतरी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत नगरी के श्रृंगी ऋषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। इसमें 26 जोड़े परिणय सूत्र में बंधें। बारात बाजे-गाजे के साथ निकाली गई। बारात का स्वागत महिला एवं बाल विकास तथा जनप्रतिनिधि अधिकारी, कर्मचारियों ने किया, तत्पश्चात नगरी नगर के पुरोहित पंडित ठकुरी प्रसाद शर्मा के द्वारा मंत्रोच्चार कर के सभी जोड़ों का विवाह संपन्न कराया।

नए साल का जश्न सिर्फ एक बजे तक, 10 के बाद डीजे नहीं

रायपुर। नववर्ष की पूर्व संध्या पर होने वाले किसी भी आयोजन को हर हाल में रात्रि एक बजे तक समाप्त करना होगा। इसका उल्लंघन करने पर पुलिस सख्ती बरतेगी। नव वर्ष से जुड़े आयोजनों के साथ ही इसमें आने वाली सेलीब्रेटी की जानकारी भी पहले से पुलिस को देनी होगी।

डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित होगा और रात दस बजे तक के बाद खुले में साउंड सिस्टम का उपयोग नहीं किया जाएगा। आयोजकों को पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था रखनी होगी ताकि कहीं जाम की स्थिति नहीं बन पाए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ। लाल उमेद सिंह ने अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में होटल, रेस्टोरेंट, कैफे, ढाबा एवं बार संचालकों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार के सूखे नशे का उपयोग नहीं होना चाहिए, अगर इस तरह की शिकायत मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नववर्ष के साथ क्रिसमस में भी होने वाले तमाम कार्यक्रमों की जानकारी पुलिस को दी जाएगी।

दिन रात मोबाइल में लगी रहती थी बीवी पति ने बाल्कनी से दिया धक्का

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मोबाइल फोन के आने से जीवन चाहे जितना भी आसान हुआ हो पर इसी के चलते संबंधों में दरार की घटनाएं भी बढ़ने लगी है। महानगरों में दर्ज होने वाले तलाक के मामले बताते हैं कि 10 में से चार मामलों की पृष्ठभूमि सोशल मीडिया से जुड़ी है। एक ऐसी ही घटना में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को बाल्कनी से धक्का दे दिया। मामला राजधानी रायपुर का है।

रायपुर के गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को लेकर देर रात पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि, पति ने पहली मंजिल की बालकनी से पत्नी को धक्का दे दिया। पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे मेकाहारा अस्पताल में भर्ती किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, सुनील जनबंधु अपनी पत्नी सोना जनबंधु के मोबाइल चलाने से नाराज था। दोनों में इस वजह से काफी विवाद होता था। मंगलवार को विवाद बढ़ गया। इसके बाद पति ने गुस्से में पत्नी को धक्का दे दिया। उस समय पर पहली मंजिल की बालकनी में खड़ी थी। पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने सुनील को गिरफ्तार कर लिया है। वह सिक्योरिटी गार्ड का काम करता है।

नक्सलवाद को मात : जवानों ने खोद कर निकाले 75 किलो वजन के 15 बम

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। सुरक्षा बलों ने नक्सलियों को एक बड़ी मात दी है। नक्सली जहां जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए बारूदी सुरंगों का सहारा लेते हैं वहीं सुरक्षा बलों की सर्च पार्टी इन सुरगों को खोज निकालती है। एक ऐसी ही घटना में सुरक्षा बलों ने 75 किलोग्राम कुल वजन के 15 बमों को खोद कर निकाल लिया है। इन बमों को कच्चापाल पुलिस कैंप के जवानों को क्षति पहुंचाने के लिए लगाया गया था।

नारायणपुर जिले में चार दिन पहले ही कच्चापाल पुलिस कैंप स्थापित किया गया है। नक्सलियों ने इन जवानों को बारूदी विस्फोट से उड़ाने की साजिश रची थी। नक्सलियों ने 5-5 किलो के 15 बम सड़क पर गाड़ रखे थे। नक्सलियों ने ग्रामीणों को जंगल और पहाड़ों में नहीं जाने की सलाह देते हुए कहा था कि वहां कदम-कदम पर बारूदी सुरंगें बिछी हुई हैं। पिछले दिनों इसी बारूदी सुरंग की चपेट में आने से एक ग्रामीण की मौत हो गई थी। दो दिन पहले इसी जगह पर डीआरजी के दो जवान आईईडी की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए थे।

इस नक्सली हिदायत को गंभीरता से लेते हुए सर्च अभियान तेज कर दिया गया है। इसके चलते बस्तर के इतिहास में पहली बार पुलिस के जवानों को जमीन के अंदर दफ्न पांच-पांच किलो के 15 नग आईईडी मिले। अबूझमाड़ के कच्चापाल की पहाड़ियों में बम मिलने से पुलिस भी हैरान है। जिनका रायपुर में उपचार किया जा रहा है।

मौके पर बीडीएस टीम पहुंचकर सुरक्षा बलों की मदद से अलग- अलग स्थानों पर श्रृंखलाबद्ध तरीके से लगाए गए 15 आईईडी बरामद किया गया। जिसका अनुमानित वजन करीब 05-05 किलोग्राम है, जिसे सुरक्षित तरीके से मौक पर नष्ट कर दिया गया है।

> **बड़े हमले की थी साजिश**
>
> नवीन कैम्प कच्चापाल से डीआरजी, बीएसएफ 135वीं वाहिनी के संयुक्त बल की टीम नक्सल विरोधी अभियान पर ग्राम तोक-मुसेर की ओर रवाना हुई थी। सर्चिंग के दौरान कच्चापाल-तोके के बीच पहाड़ी में श्रृंखलाबद्ध आईईडी का पता चला। सुरक्षा बलों ने घटना स्थल की घेराबंदी कर तत्काल बीडीएस टीम को बुलाया।
>
> **- प्रभात कुमार, एसपी नारायणपुर**

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में बनेंगे अटल परिसर

- छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की आज 100 वीं जयंती है। इस अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में सुशासन दिवस समारोह का आयोजन किया गया। सीएम विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि, उनके सपनों के आधार पर देश का विकास हो रहा है। छत्तीसगढ़ वासियों को सुशासन दिवस की बधाई देते हुए उन्होंने प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में अटल परिसर बनाए जाने की घोषणा की।

इससे पूर्व सीएम साय ने अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। साथ ही परिसर में लगी प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ। रमन सिंह ने कहा कि, अटल बिहारी वाजपेयी ने राज्य का निर्माण कर तीन करोड़ जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की 50 हजार करोड़ रुपये से शुरुआत की। इस वजह से गांव-गांव में सड़क दिखाई दे रही है। अटल जी की भाषण कला अनूठी थी। विपक्ष के लोग भी उनके भाषण को सुनते थे। उन्होंने कभी खरीद फरोख्त की राजनीति नहीं की। इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में उनका नाम लिखा जाएगा।

जहां कर्ज चुकाने लीज पर दी जाती हैं बेटियां

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ - दीपक रंजन दास

आजादी के बाद महिलाओं के उत्थान के लिए भले ही कई योजनाएं चलाई गई हों पर इनका लाभ समाज के सभी वर्गों तक नहीं पहुंच पाया। आज सरकारें लाड़की बहिन, महतारी वंदन जैसी योजनाओं से महिलाओं की मदद करने की कोशिशें कर रही हैं पर कुछ जनजातियों तक इस अलाव की रोशनी अभी नहीं पहुंच पाई है। राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में घुमंतु जनजातियां रहती हैं। इनके पास न खेत हैं, न कोई स्थाई मजदूरी का जरिया। इसलिए ये अपराध करते हैं। अंग्रेजों ने 19वीं सदी में इन्हें आपराधिक जनजाति घोषित कर दिया था आजादी के बाद 1952 में इन जनजातियों पर से ये टैग कानूनी रूप से तो हट गया पर समाज में इन्हें स्वीकार्यता नहीं मिली। इनकी इस स्थिति को समझने के लिए हमें इतिहास में पीछे लौटना होगा। लगभग 500 साल पहले देश में जमींदारों, नायबों का बोलबाला था। इनके पास अपने लठैत होते थे जो उनके आदेश पर किसी को भी अगवा कर सकते थे, उनकी हत्या कर सकते थे। इनकी पत्नियां और बहन बेटियां नाच-गाकर या अपना जिस्म बेचकर लोगों का मनोरंजन करती थीं। थाना-पुलिस और कानून जैसी कोई चीज नहीं थी। धीरे-धीरे लठैत और पालतू गुंडों का काम खत्म होने लगा और इनके पास रोजगार की किल्लत हो गई। तब से वे घुमंतु जीवन जी रहे हैं। गांवों, कस्बों और शहरों के बाहर इनके डेरे देखे जा सकते हैं। बावरिया, भांतु, कंजर, सांसी, छारा और पारधी ऐसी ही जनजातियाँ हैं जिनके पास अवैध कच्ची शराब बनाने, हाईवे पर लूट-पाट करने और अन्य तरह के अपराधों के अलावा आजीविका का कोई साधन नहीं है। भले ही 1871 का आपराधिक जनजाति अधिनियम निरस्त हो गया हो पर पुलिस अब भी इन्हें आदतन अपराधी ही मानती है। हाल ही में कंजर जनजाति की बदहाली की कुछ खबरें सामने आई हैं। कर्ज उतारने तथा गृहस्थी की गाड़ी खींचने के लिए कंजर अपनी बेटियों को लीज (पट्टे) पर दे देते हैं। 6 साल से ऊपर की बेटियों को 50 हजार से एक-डेढ़ लाख रुपए प्रतिवर्ष पर दलाल लीज पर ले जाते हैं। दलालों को इससे दुगनी या तिगुनी राशि तो नथ उतराई के ही मिल जाते हैं। इनमें से अधिकांश बेटियां कभी घर नहीं लौटतीं। अपना रिकार्ड खराब होने के कारण ये जनजातियां रिपोर्ट तक नहीं लिखवा पातीं। कुछ मामले बाल कल्याण समिति के पास भी पहुंचते हैं पर पुलिस इन मामलों में ज्यादा रुचि नहीं लेती। पुलिस को दलालों के खिलाफ गवाह नहीं मिलते। खुद समाज का नजरियां इन जनजातियों के प्रति सकारात्मक नहीं है। दरअसल, यह एक सुस्थापित तथ्य है कि जिनके पास रोजगार नहीं होगा, अपराध उनकी मजबूरी बन जाएगी। भेदभाव चाहे जिस भी मुद्दे पर किया जाए, यदि उसका असर व्यक्ति या समुदाय की आजीविका पर पड़ता है तो यह मान लेना चाहिए कि उन्हें समाज खुद अपराध के लिए प्रेरित कर रहा है।

संपादकीय

इतिहास में नाम हो ऐसा कौन नहीं चाहता है

हर आदमी की स्वाभाविक इच्छा होती है कि देश, राज्य, शहर, वार्ड, परिवार में उसे उसके किसी अच्छे काम के लिए याद किया जाए। जो बड़े लोग होते हैं, बड़े पद पर होते हैं, उनको लगता है कि इतने बड़े पद पर रहने का क्या मतलब है यदि इस पद पर रहते ऐसा काम नहीं किया जिसके लिए भविष्य में उनको याद किया जाए, देश के इतिहास मे याद किया जाए। जिन लोगों को बड़े बड़े मंच पर बोलने के लिए बुलाया जाता है, वह संगठन के इतिहास में याद किए जाने के लिए कुछ न कुछ ऐसा बोलते हैं कि लोग उनकी तारीफ करते हैं देखो इन आदमी ने बड़े पद पर रहते हुए देश व विश्व के कल्याण के लिए कितनी अच्छी बात की है।

> **संगठन के सौ साल के इतिहास इन आदमी ने बड़े पद पर रहते हुए ऐसी बात कह दी है जो उनसे पहले के पदाधिकारी सौ साल में कहने की हिम्मत नहीं कर सके। एक बयान से कोई बड़ा आदमी बन जाता है, एक बयान के कारण कोई आदमी इतिहास में अपना नाम दर्ज करा देता है। बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो ऐसा काम करते हैं जिसकी मित्र लोग तारीफ न करें लेकिन शत्रु लोग तारीफ करें। यह भी प्रशंसा पाने का एक अलग तरीका होता है। क्योंकि मित्र तो तारीफ करते ही है, यह कोई बड़ी बात थोड़ी न है। शत्रु भी आपकी तारीफ आपके काम के लिए करे तो यह बड़ी बात होती है, इतिहास में ऐसे लोगों को याद किया जाता है कि उनकी तारीफ तो उनके शत्रु भी किया करते थे।**

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने ऐसा ही बयान दिया है कि उनके शत्रु भी उनके सराहना कर रहे है, उनकी आलोचना करने वाले भी उनकी सराहना कर रहे हैं। उनके घोर विरोधी भी सराहना कर रहे हैं। उन्होंने पुणे में भारत और विश्व गुरु कार्यक्रम में देश में मंदिर-मस्जिद विवाद फिर से उभरने पर चिंता जताते हुए कहा है कि हर दिन नया मामला (विवाद) उठाया जा रहा है, इसकी अनुमति कैसे दी जा सकती है। भारत को यह दिखाने की जरूरत है कि हम साथ में रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में मंदिर बन जाने के बाद कुछ लोग सोचते हैं कि ऐसे मुद्दे उठाकर वह हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि भक्ति के सवाल पर बात करें तो राम मंदिर होना चाहिए और हुआ। पर रोज नए मुद्दे उठाकर घृणा दुश्मनी फैलाना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा रामकृष्ण मिशन में क्रिसमस मनाया जाता है। केवल हम ऐसा कर सकते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं। उन्होंने कहा हम लंबे समय से सद्भावना से रह रहे हैं। दुनिया को सद्भावना देना चाहते हैं तो माडल बनाने की जरूरत है।मोहन भागवत का कहना है कि इन दिनों जो मंदिर मस्जिद विवाद सामने आ रहे है, उससे देश का भला नहीं होने वाला है। देश का भला तो सद्भाव के रहने से होगा। भारत को विश्व गुरु बनना है तो देश के लोगों को सद्भाव से रहकर दिखाना होगा। इससे पहले भी मोहन भागवत हिंदू मुसलमान का डीएनए एक है. जो भी हिंदुस्तान मे रहता है,वह हिंदू है जैसी बातें बोल चुके हैं।

मोहन भागवत बड़े संगठन के नेता है, बड़े पद पर है तो वह बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, ताकि उनको इतिहास में याद किया जाए तो ऐसे आदमी के रूप में याद किया जाए तो चाहता था कि देश में सब सद्भाव से रहें, आपस में मंदिर-मस्जिद को लेकर कोई विवाद न करें। आरएसएस के सौ वां साल चल रहा है, आरएसएस को 1925 में 100 साल पूरे हो जाएंगे। आरएसएस में सरसंघ चालक तो कई हुए हैं लेकिन उनमें ऐसे कम होंगे जिनको उनके काम व बयान के लिए याद किया जाएगा। क्योंकि आरएसएस की छबि इस देश में कट्टर हिंदूवादी संगठन की बना दी गई है यानी वह देश में हिंदू व मुसलमानों के बीच नफरत फैलाने वाला संगटन है।

हो सकता है कि सरसंघ चालक मोहन भागवत संगठन की छबि को अब बदलना चाहते हों। अपनी छबि को उदारवादी नेता की छबि बनाना चाहते हों। इसलिए इस तरह का बयान दिया हो। उनके इस तरह के बयान को न तो पहले हिंदू समाज ने पसंद किया था और न ही आज हिंदू समाज पसंद करने वाला है। क्योंकि हिंदू समाज ने देखा है कि उदार होकर उसको खोना पड़ा है, उपेक्षा झेलनी पड़ी है, अपमान, अन्याय झेलना पड़ा है,अब हिंदू समाज उदार नहीं समझदार हो गया है, वह जानता है कि उसके भले के लिए कौन काम कर रहा है। उसकी विरासत बचाने के लिए कौन क्या कर रहा है।उसको मजबूत करने के लिए कौन क्या कर रहा है। उसको एकजुट करने के लिए कौन क्या कर रहा है।

हिंदू समाज को आज बड़ी बड़ी आदर्शवादी बातें करने वाले नेताओं का जरूरत नही है, गंगा जमुनी तहजीब की बातें करने वाले नेताओं की जरूरत नहीं है। उसे जमीनी हकीकत की बात करने नेता पसंद हैं जो जमीनी हकीकत से उसको अवगत कराते है और उसी के आधार पर हिदू समाज के हित में फैसला करते हैं। देश को आज पीएम मोदी, शाह, योगी जैसे हकीकत पसंद नेताओं की जरूरत है।जनता यह बात जानती है, इसलिए वह सत्ता में है और देश व हिंदू समाज के हित में काम कर रहे हैं।

श्याम बेनेगल का जाना नये सिनेमा का अंत

नजरिया

बॉलीवुड में समानांतर सिनेमा के जनक, 'मंथन' से लेकर 'वेलडन अब्बा' तक जिनके फिल्मी सफर को एक युग कहा जा सकता है, बेहद कलात्मक, बेहद संजीदा, बेहद संवेदनशील, ऐसे बेमिसाल फिल्मकार श्याम बेनेगल का 90 वर्ष की उम्र में जाना अत्यंत दुखद ही नहीं है, एक सार्थक भारतीय सिनेमा एवं गौरवशाली टेलीविजन युग का अंत है। दादा साहब फाल्के के अलावा सात राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित बेनेगल ने हिंदी सिनेमा को नसीरुद्दीन शाह, ओमपुरी, स्मिता पाटिल, अमरीश पुरी, अनंत नागा जैसे प्रख्यात कलाकार दिए।

ललित गर्ग

उनकी फिल्मों के साथ भारतीय सिनेमा का एक नया और अविस्मरणीय दौर शुरु हुआ, जिसने भारतीय सिनेमा को एक नई ऊंचाई प्रदान की। पिता के कैमरे से 12 साल की उम्र में पहली फिल्म बनाने वाले बेनेगल ने उस समय अहसास कराया कि भारतीय सिनेमा में एक विराट प्रतिभा मोर्चा संभाल चुकी है, जिसके काम की गूंज उनकी जीवन में ही नहीं, बल्कि भविष्य में लम्बे समय तक देश और दुनिया को सुनाई देगी। जब-जब हमने बहुत ठहरकर, बहुत संजीदगी के साथ उनके काम को देखा तो अनायास ही हमें महसूस हुआ कि वे अपने आप में कितना कुछ समेटे हुए थे, अद्भुत, यादगार एवं विलक्षण। सिनेमा दर्शकों का ऐसे महान फिल्मकार की फिल्मों से अनभिज्ञ रहना इस संसार में रहते हुए भी सूर्य, चन्द्रमा एवं तारों को न देखने जैसा है।

श्याम बेनेगल का जन्म 14 दिसम्बर 1934 को हैदराबाद में हुआ। हैदराबाद की ओसमानिया यूनिवर्सिटी से इकोनोमिक्स में एमए करने के बाद बेनेगल ने आगे जाकर हैदराबाद फिल्म सोसायटी की स्थापना की। उनका संबंध कोंकणी बोलने वाले चित्रपुर सारस्वत परिवार से था। उनका असली नाम श्याम सुंदर बेनेगल था। श्याम बेनेगल की शादी नीरा बेनेगल से हुई थी और उनकी एक बेटी पिया बेनेगल है, जो एक कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं, जिन्होंने कई फिल्मों के लिए भी काम किया है। श्याम ने बचपन में ही अपने फोटोग्राफर पिता श्रीधर बी. बेनेगल के कैमरे से पहली फिल्म शूट की थी। 1962 में उन्होंने पहली डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'घर बैठा गंगा' बनाई, जो गुजराती में थी। बेनेगल को भारत सरकार द्वारा 1976 में पद्मश्री और 1991 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उनकी सफल फिल्मों में मंथन, जुबैदा और सरदारी बेगम शामिल हैं। जिनमें जीवन के कठोर यथार्थ को बेनेगल ने सिनेमा-शिल्प में, महीन अर्थवत्ता के साथ नाटकीयता के धनीभूत आशयों में अभिव्यक्ति दी, प्रस्तुति दी है। उनकी फिल्मों में एक ऐसी

सार्वजनीनता है, जो धनी-निर्धन, शिक्षित-अशिक्षित, देशी-विदेशी सभी को बहुत भीतर तक स्पर्श करती रही है।

श्याम बेनेगल की आखिरी फिल्म 'मुजीबः द मेकिंग ऑफए नेशन' थी, जिसका उन्होंने निर्देशन किया था। इस फिल्म ने भारत ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश में भी सुर्खियां बटोरीं। यह फिल्म बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान पर आधारित थी, जो बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी थे। उनकी जिंदगी पर बनी फिल्म ने बांग्लादेश में 2024 में तख्तापलट करवा दिया था और शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा था। यह फिल्म दिखाती है कि मुजीबुर्रहमान के राजनीतिक सफर की शुरुआत कैसे हुई थी, उन्होंने किस तरह बांग्लादेश की स्वाधीनता के लिए काम किया। इस फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और बांग्लादेश फिल्म विकास निगम ने मिलकर बनाया था। यह फिल्म जहां एक राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को प्रस्तुति दी, वहीं दो राष्ट्रों के आपसी संबंधों को भी गहराई से उजागर किया। इस फिल्म को बंगाली के साथ-साथ हिन्दी भाषा में भी रिलीज किया गया था। इस फिल्म का एलान करते हुए बेनेगल ने बताया था कि शेख मुजीबुर्रहमान के जीवन को पर्दे पर उतारना उनके लिए एक कठिन काम रहा है। उन्होंने कहा था, यह फिल्म मेरे लिए एक बहुत ही भावनात्मक फिल्म है। मुजीब के किरदार को बेबाकी से पेश किया है, वे भारत के बहुत अच्छे दोस्त रहे। उनकी यह फिल्म ही नहीं, बल्कि हर फिल्म ने एक इतिहास निर्मित किया। क्योंकि यह उनकी ही प्रतिभा थी कि वे लगातार काम करने की रणनीतियों में बदलाव लाते रहे और फिल्म-निर्माण को एक विराट फलक तक ले जाते रहे। भारतीय सिनेमा के लगभग सौ साला इतिहास में बेनेगल एक बड़े वटवृक्ष की भांति दिखाई देते हैं।

भारतीय सिनेमा को विश्व में नई और अद्वितीय पहचान दिलाने में बेनेगल का अविस्मरणीय योगदान था। बेनेगल की पहली चार फीचर फिल्मों- अंकुर (1973), निशांत (1975), मंथन (1976) और भूमिका (1977)- ने उन्हें उस दौर की नई लहर फिल्म आंदोलन का अग्रणी बना दिया। बेनेगल की मुस्लिम महिला पर आधारित फिल्में मम्मो (1994), सरदारी बेगम (1996) और जुबैदा (2001) सभी ने हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते। 1959 में, उन्होंने मुंबई स्थित विज्ञापन एजेंसी लिंटास एडवरटाइजिंग में कॉपीराइटर के रूप में काम करना शुरू किया, जहाँ वे धीरे-धीरे क्रिएटिव हेड बन गए। 1963 में एक अन्य विज्ञापन एजेंसी के साथ कुछ समय तक काम किया। इन वर्षों के दौरान, उन्होंने 900 से अधिक प्रायोजित वृत्तचित्र और विज्ञापन फिल्मों का निर्देशन किया। 1966 और 1973 के बीच बेनेगल ने पुणे स्थित भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान में पढ़ाया और दो बार संस्थान के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उनके शुरुआती वृत्तचित्रों में से एक 'ए चाइल्ड ऑफद स्ट्रीट्स' (1967) ने उन्हें व्यापक प्रशंसा दिलाई। कुल मिलाकर, उन्होंने 70 से अधिक वृत्तचित्र और लघु फिल्में बनाई हैं।

बेनेगल ने 1992 में धर्मवीर भारती के एक उपन्यास पर आधारित सूरज का सातवां घोड़ा फिल्म बनाई, जिसने 1993 में हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। 1996 में उन्होंने फातिमा मीर की 'द अप्रेंटिसशिप ऑफए महात्मा' पर आधारित पुस्तक द मेकिंग ऑफद महात्मा पर आधारित एक और फिल्म बनाई। उनके जीवनी सामग्री की ओर इस मोड़ के परिणामस्वरूप नेताजी सुभाष चंद्र बोसः द फॉरगॉटन हीरो, उनकी 2005 में अंग्रेजी भाषा की फिल्म बनी। उन्होंने समर (1999) में बनी फिल्म में भारतीय जाति व्यवस्था की आलोचना की, जिसने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। बेनेगल की फिल्म मंडी (1983), राजनीति और वेश्यावृत्ति के बारे में एक व्यंग्यपूर्ण कॉमेडी थी, जिसमें शबाना आज़मी और स्मिता पाटिल ने अभिनय किया था। बाद में, 1960 के दशक की शुरुआत में गोवा में पुर्तगालियों के अंतिम दिनों पर आधारित अपनी कहानी पर काम करते हुए, श्याम ने त्रिकाल (1985) में मानवीय रिश्तों की खोज की। इन फिल्मों की सफलता के बाद, बेनेगल को स्टार शशि कपूर का समर्थन मिला, जिनके लिए उन्होंने जुनून (1978) और कलयुग (1981) बनाई। पहली फिल्म 1857 के भारतीय विद्रोह के अशांत काल के बीच की एक अंतरजातीय प्रेम कहानी थी, जबकि दूसरी महाभारत पर आधारित थी और यह बड़ी हिट नहीं थी, हालांकि दोनों ने क्रमशः 1980 और 1982 में फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार जीते। हजारों अविस्मरणीय किरदार और जिंदगी की असंख्य सच्चाइयों को खोलती उनकी फिल्में भारतीय सिनेमा की एक अमूल्य धरोहर है।

श्याम बेनेगल की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार है, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। बेनेगल का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। भारतीय सिनेमा दिग्दर्शन के इस विशिष्ट हस्ताक्षर श्याम बेनेगल के निधन से निश्चित ही एक सर्जनशील कलासाधक एवं सच्चाई को रूपहले पर्दे पर उतारने वाले सफल एवं सार्थक फिल्मकार का अंत हो गया।

(ये लेखक के विचार हैं)

वाइट-कॉलर कर्मियों की आम समस्या

निजी क्षेत्र के कर्मचारियों की बढ़ती गई समस्याओं की जड़ में आज का आर्थिक ढांचा है। दुनिया भर में श्रमिक वर्ग इस ढांचे का ऐसा ही प्रभाव देखने को मिला है। इसलिए विनियमन स्वागतयोग्य है, इससे कुछ लाभ होगा, मगर यह पर्याप्त नहीं है।

महाराष्ट्र और कर्नाटक की सरकारें ऑफिस कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सख्त नियमों और उन पर अमल के निरीक्षण की तैयारी में हैं। यह कदम अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) की एक युवा कर्मचारी की मौत के बाद उठाया जा रहा है। तब उस मौत का कारण काम का अत्यधिक दबाव बताया था। भारत में वाइट-कॉलर यानी दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए सुरक्षा के नियम लगभग ना के बराबर हैं। उदारीकरण के दौर में, जब कंपनियों ने मुनाफा बढ़ाने के लिए कॉस्ट कटिंग की पॉलिसी अपना ही है, तब कम कर्मचारियों से अधिक काम लेना आम चलन बन गया है। जो कर्मचारी इसमें पिछड़ते हैं, उनकी नौकरी खतरे में पड़ जाती है।

अनियमित घंटों तक काम और मनमानी बर्खास्तगी आज वाइट-कॉलर कर्मियों की आम समस्या है। इसका बहुत खराब असर खासकर युवा कर्मियों पर पड़ा है। ईवाई कर्मचारी की मौत के बाद ये सारे मुद्दे बहुचर्चित हुए थे। उसका प्रभाव सरकारों पर पड़ा है। कर्नाटक में अधिकारियों ने निजी कंपनियों में ऑफिस में कामकाज की स्थिति की जांच शुरू की है। महाराष्ट्र में भी एक ऐसा प्रस्ताव विचाराधीन है। बताया गया है कि प्रस्तावित नियम कंपनियों में नियुक्ति और बर्खास्तगी की प्रक्रियाओं की विनियमित नियंत्रित करेगा। इसमें सभी कॉरपोरेट कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा। उनमें मैनेजर स्तर स्टाफ भी शामिल होंगे।

कर्नाटक के अधिकारियों का कहना है कि यह कदम कर्मचारियों की अत्यधिक काम की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। यह तथ्य है कि भारत में युवा आत्म-हत्या के मामले बढ़े हैं। किशोरों और युवाओं के बीच मृत्यु का चौथा सबसे प्रमुख कारण कामकाज का बढ़ा दबाव है। बेशक ये आंकड़े भारत में मानसिक स्वास्थ्य और युवाओं में बढ़ते तनाव का संकेत हैं। बहरहाल, अहम सवाल है कि क्या कानून या विनियम लागू करने से ऐसी समस्याओं का समाधान हो सकता है? वाइट कॉलर हों या ब्लू कॉलर कर्मी, उनकी बढ़ती गई समस्याओं की जड़ में आज का आर्थिक ढांचा है। दुनिया भर में श्रमिक वर्ग इस ढांचे का ऐसा ही प्रभाव देखने को मिला है। इसलिए विनियमन स्वागतयोग्य है, इससे कुछ लाभ होगा, मगर यह पर्याप्त नहीं है।

(आरएनएस)

विपक्ष की यह आलोचना करना जायज है

इतने बड़े स्तर पर गहराते जा रहे शक को कौन दूर करेगा? आयोग ने भी कभी आत्म-निरीक्षण करने की जरूरत महसूस नहीं की है। क्या उसके आचरण भी संदेह का कारण हैं? इन प्रश्नों पर उसे गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

भारतीय निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन की चुनाव गड़बड़ी संबंधी शिकायतों को सिरे से खारिज कर दिया है। आयोग का यह जवाब अपेक्षित ही था। आयोग के मुताबिक उसे राज्य के 36 जिला अधिकारियों से रिपोर्ट मिल चुकी हैं। इनके मुताबिक सभी 288 सीटों पर ईवीएम वोटों और वीवीपैट में दर्ज मतों का मिलान करने पर उनमें कोई विसंगति नहीं मिली। आयोग की बातें सच हैं या नहीं, यहां असल मुद्दा यह नहीं है। विपक्ष की यह आलोचना जायज है कि ईवीएम में गड़बड़ी या चुनाव प्रक्रिया के दूषित होने का सवाल वह तभी उठाता है, जब उसकी हार हो जाती है। जहां विपक्षी दल जीत जाते हैं, वहां वे नतीजे को बिना किसी एतराज के गले लगा लेते हैं।

साथ ही संगठन, चुनाव अभियान, एवं मतदाताओं का भरोसा जीतने में रह गई अपनी कमियों का कभी ठोस आकलन वे नहीं करते। इसके बावजूद मसला यह है कि भारत की चुनाव प्रक्रिया को लेकर संबंधित हितधारकों के एक बड़े हिस्से में संदेह पैदा हो चुका है। इन हितधारकों में विपक्ष भी है, सिविल सोसायटी, और आम जन का एक बड़ा हिस्सा भी। यह किसी रूप में भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। मुद्दा है कि इतने बड़े तबके के बीच में गहराते जा रहे शक को कौन दूर करेगा? क्या इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की नहीं है? मुश्किल यह है कि आयोग ने भी कभी आत्म-निरीक्षण करने की जरूरत महसूस नहीं की। क्या उसके आचरण भी संदेह का कारण हैं?

इन प्रश्नों पर उसे गंभीरता से सोचने की जरूरत है। सत्ता पक्ष के लिए यह अहम सवाल है कि निर्वाचन आयोग के गठन की प्रक्रिया अगर सुप्रीम कोर्ट ने तय कर दी थी, तो उसने संसदीय विधेयक के जरिए उसे क्यों बदला? ऐसे पहलू समाज के किसी हिस्से में अविश्वास का कारण बने हों, तो क्या उसे अतार्किक कहा जाएगा? इन प्रश्नों पर सिर्फ एकतरफा बयान देने से बात नहीं बनेगी। जरूरत इस बात की है कि निर्वाचन आयोग इस पूरे प्रकरण पर सभी हितधारकों के साथ विस्तृत संवाद की शुरुआत करे। तभी पूरे देश में विश्वास का माहौल बनेगा।

(आरएनएस)

केबल चोरी के तरीके ने बेरोजगारों को किया प्रेरित

भगवती प्रसाद डोभाल

पिछले वर्ष से चोरों ने अपनी आजीविका का नया फार्मूला ईजाद कर लिया है। बेरोजगारी में चोरों ने दिल्ली की लाइफलाइन को अपना रोजगार बना लिया है। चोरों को इससे यह चिंता नहीं हुई कि मेट्रो से सफर करने वालों को तकलीफ झेलनी पड़ेगी। सारे दिल्ली के ऑफिसों में काम करने वाले लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए सुबह काम पर जाते वक्त जगह-जगह जाम झेल रहे थे, कारण था मेट्रो के केबल चोरों ने रात में ही उन केबलों को काट दिया था जिनसे मेट्रो अपना रास्ता तय करती है। इस कारण वे अपने ऑफिस समय पर नहीं पहुंच सके। इतना ही नहीं, जिन्हें बाहर जाना था-उनकी ट्रेनें और फ्लाइटें भी मिस हुई।

इस काम के लिए फिलहाल मेट्रो की ब्ल्यू लाइन पर लगातार धावा बोला गया। हालांकि बहुत समय बाद पुलिस को सफलता मिली है। इन केबल चोरों को पकड़ने और इन घटनाओं को अंजाम देने वाले गैंग के सदस्यों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया है। बीते दिनों मेट्रो ट्रैक पर केबल चोरी होने से केबल और चोरी में इस्तेमाल गाड़ियों को पुलिस ने बरामद कर दिया है। यह काम बहुत समय बाद हुआ है। इससे पूर्व चोरों ने मेट्रो लाइन को बहुत नुकसान पहुंचाया है। पता चला कि कीर्ति नगर और मोती नगर मेट्रो स्टेशन के बीच सिग्नलिंग केबल चोरी होने की सूचना मिली थी।

पुलिस ने इस मामले में बीएनएस और डीएमआरसी अधिनियम की धारा 74 के तहत मामला दर्ज किया था। इस वारदात में शामिल गिरोह के 11 में से चार 4 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की गई 55 मीटर लंबी केबल, टाटा एस लोडर वाहन और दो मोबाइल फोन बरामद किए थे। घटना स्थल से पता चला कि वहां पर 140 मीटर लंबी केबल काटी गई थी। यह केबल मेट्रो ट्रेनों की लोकेशन का पता लगाने और ट्रैक सर्किट को डेटा भेजने के लिए उपयोग की जाती है। मेट्रो के परिचालन के लिए उपयोग में होने वाले इस केबल की कीमत लाखों में होती है। इसी कारण चोरों को इसको प्राप्त करने से काफी मुनाफा होता है।

वर्ष 2020-22 के दौरान केबल चोरी होने के बहुत सारी घटनाएं हुई हैं। 2020 में 54 मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2021 में 57 और 2022 में 63 मामले सामने आए थे। इन मामलों में चोरों तक पहुंचने में पुलिस मुस्तैद नहीं दिखी थी। इस कारण चोरों के हौसले बुलंदी पर थे। मेट्रो केबल तांबे से बने होते हैं, यह काफी महंगी धातु है, बहुत सारे उद्योगों में तांबे की भारी मांग है, इसलिए इसको बेचने में आसानी है। इन केबलों का नेटवर्क मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों के बीच बिछाया जाता है। यह जटिल नेटवर्क होता है। विशेषकर रात के समय या फिर जहां पर सुरक्षा कम हो, वहां पर इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह केबल मेट्रो रेल सिस्टम की जीवनरेखा होता है। यह मोटी इंसुलेटेड तार होती है, जो मेट्रो ट्रेनों की बिजली, संचार और नियंत्रण संकेत प्रदान करती है। केबल की चोरी होने पर मेट्रो सिस्टम की तीन मुख्य पण्रालियां-पावर, संचार और सिग्नल-ठप हो जाती हैं। मेट्रो के संचालन के लिए इन तीनों का सुचारु रूप से काम करना जरूरी है। डीएमआरसी से मिली जानकारी के अनुसार केबल चोरी आम तौर पर रात साढ़े बारह बजे से सुबह चार बजे के बीच होती है। इस समय मेट्रो सेवाएं बंद होती हैं।

चोर सेवा बंद होने के बाद रात में वियाडक्ट में घुसते हैं। वे केबल काटते हैं, और उसे नीचे अपने साथियों के पास फेंक देते हैं। फिर भाग जाते हैं। यह मेट्रो स्टोनों पर नहीं, बल्कि वियाडक्ट पर होता है। अधिकारी के अनुसार केबलों पर स्टील की परत होती है, लेकिन उनमें ज्यादातर तांबा होता है। यह चोरों के लिए कीमती होता है। चोर पटरियों तक अपनी पहुंच समूह में काम करके बनाते हैं। रस्सियों का इस्तेमाल करके मेट्रो की पटरियों तक पहुंचते हैं। कभी-कभी वे अपने साथियों की मदद से या पेड़ की शाखाओं का इस्तेमाल करके पटरियों पर चढ़ते हैं। पटरियों पर चढने के बाद कीमती केबल काट लेते हैं। केबल काटने के बाद पटरियों पर मौजूद व्यक्ति उसे जमीन पर अपने साथियों के पास फेंक देता है। साथी तुरत में केबल उठा लेते हैं, और उसे पास की झाड़ियों में छिपा देते हैं, या किसी गाड़ी में लाद देते हैं।

फिर वह व्यक्ति रस्सी के सहारे पटरियों से नीचे उतर जाता है। पुलिस का यह भी मानना है कि चोर अक्सर नाबालिगों को अपराध करने के लिए काम पर रखते हैं, क्योंकि वे आसानी से चढ़ कर तार काट सकते हैं। यह भी संज्ञान में आया कि बाजार में केबल 500 रुपये प्रति मीटर के हिसाब से बिकता है। केबल चोरी के इस तरीके ने बेरोजगारों को प्रेरित किया है। प्रशासन को चाहिए कि अधिक से अधिक रोजगार की संभावनाओं को युवाओं के सामने रखे। ऐसा करके ही युवाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार मुहैया कराना संभव हो सकेगा।

(आरएनएस)

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

चिकित्सा संस्थाओं में होगी पुलिस चौकी की स्थापना
आगन्तुकों पर रखी जाएगी कड़ी नजर : संभागायुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत दुर्ग संभाग में संचालित समस्त चिकित्सा संस्थाओं में कार्यरत स्टाफकी सुरक्षा उपायों के तत्काल क्रियान्वयन के लिए संभागायुक्त एस.एन. राठौर की अध्यक्षता में संभागीय आयुक्त कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में विगत दिन समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिले के पुलिस महानिरिक्षक रामगोपाल गर्ग, राजनांदगांव के डीजी मोहित गर्ग, कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी, राजनांदगांव के कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, चन्दूलाल चिकित्सा महाविद्यालय कचांदुर दुर्ग एवं चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सालय के डीन डॉ तृप्ति नागरिया, डॉ. कुजलदीप सिंह सांगा, भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव के प्रशासकीय अधिकारी डॉ टेकन कुमार, चिकित्सक डॉ पवन जेठानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान

संभागायुक्त श्री राठौर ने चिकित्सा कर्मियों को प्राप्त कानूनी संरक्षण को प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने, सुरक्षा और हिंसा रोकथाम के लिये समितियों के गठन, चिकित्सा संस्थाओं में प्रवेश पर नियंत्रण, चिकित्सा कर्मियों के लिए सुरक्षा प्रावधान, पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था एवं निगरानी, रात्रिकालीन सुरक्षागश्त, चौबीसों घंटे सुरक्षा नियंत्रण कक्ष की स्थापना, स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय, पुलिस प्रशासन के माध्यम से सुरक्षा ऑडिट कार्य, हेल्पलाईन नंबर 112 के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करना आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर संबंधित विभाग अधिकारियों को क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया। संभागायुक्त श्री राठौर ने अवगत कराया कि कोलकाता के आरजीकर अस्पताल में हुई घटना के बाद उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुसार भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा दिशा-निर्देशों जारी किए गए है। छत्तीसगढ़ सरकार ने उक्त आदेश का पालन करते हुए एवं मामले को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में कार्यवाही के निर्देश दिए है।

चिकित्सा कर्मियों को प्राप्त कानूनी संरक्षण का प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शन

संभागायुक्त राठौर ने कहा सभी चिकित्सा कर्मियों एवं चिकित्सालय में आने जाने वाले नागरिकों को अपराध की सजा एवं बचने के उपाय का ज्ञान होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने चिकित्सा संस्थाओ में चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा के लिये बने भारतीय न्याय संहिता और राज्य कानूनों की संबंधित धाराओं का विवरण, जिसमें उल्लंघन के लिये दंड का स्पष्ट रूप से उल्लेख हो, प्रमुख स्थानों पर स्थानीय, हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में प्रदर्शित किया जाने की बात कही। जिससे सभी कर्मचारी, मरीज और आगंतुक इसके प्रति जागरूक हो सके।

सुरक्षा और हिंसा रोकथाम के उपाय हेतु समिति का गठन

संभागायुक्त ने शासकीय चिकित्सालयों में वहां के वरिष्ठ चिकित्सकों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से एक अस्पताल सुरक्षा समिति और हिंसा रोकथाम समिति का गठन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा उक्त समितियों को स्वास्थ्य संस्थाओं के परिसर में व्यापक सुरक्षा उपायों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने का उत्तरदायित्व सौंपे जाए एवं समय-समय पर गठित समितियों के कार्यों की मॉनिटरिंग की जाए। सुरक्षा समितियां स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें।

खास खबर

संयंत्र प्रबंधन द्वारा आयोजित खुली संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता सम्पन्न

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा प्रतिष्ठित खुली संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का समापन और पुरस्कार वितरण समारोह 20 दिसम्बर, 2024 को किया गया। यह समारोह मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर के मुख्य आतिथ्य में महात्मा गांधी कलामंदिर सिविक सेंटर, भिलाई में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उप महाप्रबंधक एस जाखड़ सहित सहायक प्रबंधक अभिजीत भौमिक व डेनिस क्रिष्टी उपस्थित थे। इस समारोह में 11 विधाओं में आयोजित प्रतिस्पर्धा के कुल 120 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि संदीप माथुर ने सभी विजेताओं बधाई डी और उन्हें पुरस्कृत किया। उन्होंने विजेताओं के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों को 60 वर्षों से चली आ रही प्रतिष्ठित खुली संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागिता के लिए बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कलामंदिर में आयोजित इस 4 दिवसीय प्रतियोगिता में कर्नाटक , हिन्दुस्तानी, लोक गायन, एकल नृत्य , हिन्दुस्तानी वाद्य तथा खुली वर्ग समूह में नृत्य स्पर्धा का आयोजन किया गया था। दोनों आयु समूह में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभागिता दी।

सुशासन सप्ताह अंतर्गत वरिष्ठजन, दिव्यांगजन एवं दिव्यांग खिलाड़ी हुए सम्मानित

दुर्ग। शासकीय वृद्धाश्रम पुलगांव दुर्ग में सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सुशासन सप्ताह अन्तर्गत वरिष्ठजन, दिव्यांगजन, एवं ख्याति प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग खिलाड़ियों को सम्मिलित करते हुए सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विष्णु के सुशासन में दिव्यांगजनों को सम्मान मिल रहा है। समाज कल्याण द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी भी सम्मिलित हुई। इस दौरान उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। जिसमें श्रीमंत झा., अनुराग सिंह, संगीता मसीह शामिल है। कलेक्टर चौधरी ने सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समस्त जनों को अवगत कराते हुए सभी का अभिवादन किया और वृद्धजनों से मुलाकात कर उनका कुशल क्षेम पूंछा। कलेक्टर को अपने बीच पाकर वृद्धजन अभिभूत हुए और वृद्धाश्रम में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकजनों को श्रीफल व साल से सम्मान किया गया। साथ ही चिन्हांकित पात्र दिव्यांगजनों को जिला प्रशासन की ओर से आवश्यक उपकरण एवं सामग्रियां प्रदान की गई। कलेक्टर चौधरी ने अपने कर कमलों से राजू यादव मनोज प्रताप सिंह , आबिद हुसैन, कु संतोषी यादव जयंती को बैटरी ट्रायसायकल एवं सुकवारो बाई यादव , पुसउ साकरे को सामान्य ट्रायसायकल एवं नारायण साहू, भावना पठारी व शशीकला खोब्रागडे को श्रवण यत्र का प्रदान किया।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की टीम ने सामूहिक लोकनृत्य में लहराया परचम, मिला प्रथम स्थान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ऑल इंडिया एसोसिएषन ऑफ यूनिवर्सिटीज एआईयू के तत्वाधान में क्राइस्ट डिम्ड यूनिवर्सिटी, कंगेरी कैम्पस बंगलूरू में 19 से 23 दिसंबर तक आयोजित 38 वां साउथ-ईस्ट जोनल स्तरीय युवा उत्सव में सामूहिक लोकनृत्य / जनजाति नृत्य स्पर्धा में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की टीम ने लगभग 50 विश्वविद्यालयों की टीमों के मध्य प्रथम स्थान प्राप्त किया।

यह जानकारी देते हुए विष्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव, दिग्विजय कुमार साहू ने बताया कि विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहला अवसर है जब जोनल स्तरीय युवा उत्सव में किसी सामूहिक प्रतियोगिता में विष्वविद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। दिग्विजय

कुमार के अनुसार विष्वविद्यालय में आज यह समाचार प्राप्त होते ही कुलपति, सत्यनारायण राठौर, कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि इस विजेता टीम के सभी प्रतिभागी साइंस कॉलेज, दुर्ग के नियमित छात्र-छात्राएं है। अब यह टीम मार्च में नोएडा में आयोजित होने वाले नेषनल यूथ फेस्टिवल में हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग का प्रतिनिधित्व करेगी।

दिग्विजय ने बताया कि इस टीम के मैनेजर इंदिरा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वैषाली नगर, भिलाई की सहायक प्राध्यापक, डॉ. चांदनी मरकाम तथा साइंस कॉलेज, दुर्ग के सहायक प्राध्यापक, तरूण साहू थे। विजेता टीम के प्रतिभागियों में मोरध्वज, सारिका, क्षमा देवांगन, तारणी विष्वकर्मा, तुकेष्वर कुमार साहू, तोषण लाल, द्रविण कुमार, मीनेष कुमार यादव, रिम्पा नायक तथा चंचल ठाकुर शामिल थें। युवा उत्सव के अंतर्गत आयोजित महेंदी प्रतियोगिता में भिलाई महिला महाविद्यालय, भिलाई की छात्रा कुमारी निषि जैन ने पंचम स्थान प्राप्त किया।

कलेक्टर चौधरी ने केंद्रीय जेल दुर्ग में उल्लास साक्षरता केंद्र का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज नव नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत केंद्रीय जेल दुर्ग में महिला एवं पुरुष कैदियों के लिए पृथक पृथक दो उल्लास साक्षरता केंद्र का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य जेल में निरुद्ध आसाक्षर कैदियों को न केवल पढ़ना लिखना और अंकगणित की समझ के कौशल को विकसित करना है अपितु आजीवन सीखने को प्रोत्साहित करना और जीवन कौशल की समझ को समृद्ध करना है। इस अवसर पर कलेक्टर चौधरी ने अपने वक्तव्य में उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा की इस यात्रा में निकलने वाला प्रत्येक शिक्षार्थी न केवल पढ़ना लिखना सिखता है बल्कि अपने अंदर एक महत्वपूर्ण बदलाव लाने में सक्षम होता है और हमारे अच्छे विचार हमें सपनों के एक कदम करीब लाते है। कार्यक्रम के अंत में जेल में निरुद्ध असाक्षर कैदियों को कलेक्टर सुश्री चौधरी ने पठन सामग्री वितरित कर उल्लास नवभारत साक्षरता का शपथ दिलाया।

इस कार्यक्रम में जेल अधीक्षक मनीष संभाकर, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. पुष्पा पुरुषोत्तम, सहायक संचालक अमित घोष एवं संजय वर्मा, उप जेल अधीक्षक श्याम ठाकुर, जेल शिक्षक अतुल मिश्र, राज किशोरी तिग्गा, प्रहरी ललित साहू और राजेश साहू उपस्थित थे।

सेल संचार उत्कृष्ता के लिए आठ राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड (सेल) को पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) द्वारा आठ राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कंपनी को ये पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कार, पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 20 से 22 दिसंबर, 2024 के दौरान आयोजित 46वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में प्रदान किया गया। सेल को विभिन्न श्रेणियों में कुल 8 पुरस्कार मिले हैं, जो कंपनी के

संचार प्रयासों की उत्कृष्टता को दर्शाते हैं। सेल को मिले पुरस्कारों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है। ई-न्यूजलेटर श्रेणी: कंपनी के न्यूज़ बुलेटिन सेलट्रैक को उसकी प्रभावी प्रस्तुति और जानकारीपूर्ण होने के लिए पुरस्कृत किया गया।

कॉर्पोरेट फिल्म श्रेणी: सेल की कॉर्पोरेट फिल्म को कंपनी की उपलब्धियों और भविष्य की दृष्टि को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए चुना गया।

सर्वश्रेष्ठ संचार अभियान (इंटरनल पब्लिक्स) श्रेणी: सेल गौरव दिवस समारोह को कर्मचारियों के बीच एकता और गौरव की भावना पैदा करने के लिए सराहा गया।

हाउस जर्नल (अंग्रेजी) श्रेणी: सेलन्यूज़ को अपने पाठकों को कंपनी के बारे में अप-टू-डेट जानकारी प्रदान करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ पीआर कार्यक्रम: स्टील प्लांट प्रौद्योगिकियों के लिए सोशल मीडिया कैम्पेन को इस श्रेणी में जीत हासिल हुई।

कॉर्पोरेट अभियान में सोशल मीडिया का सर्वश्रेष्ठ उपयोग: ग्रीन स्टील को बढ़ावा देने वाले सोशल मीडिया अभियान को, पर्यावरण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए चुना गया।

कॉर्पोरेट वेबसाइट : सेल वेबसाइट को उसके क्रिएटिव लेआउट, आसान नेविगेशन एवं कंटेन्ट और यूजर फ्रेंडली प्लेटफार्म के लिए पुरस्कृत किया गया।

वार्षिक रिपोर्ट: सेल के वार्षिक रिपोर्ट को उसकी उत्कृष्ट डिजाइन और रचनात्मक प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

ये पुरस्कार सेल के लिए एक बड़ी उपलब्धि हैं और यह दर्शाते हैं कि कंपनी संचार के क्षेत्र में अग्रणी है। सेल अध्यक्ष श्री अमरेंदु प्रकाश ने कंपनी को मिले पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कारों की सराहना करते हुए कहा, ये पुरस्कार सेल की छवि और पहुँच को बढ़ाने में हमारी संचार पहल के विभिन्न प्रयासों को रेखांकित करते हैं।

सेल ने हमेशा प्रभावी संचार पर जोर दिया है, जो कंपनी की छवि को बढ़ावा देने और बेहतर स्टेकहोल्डर रिलेशन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह सम्मान संचार में उत्कृष्टता के लिए सेल के समर्पण का प्रमाण है। सेल के सभी कार्मिकों ने सेल की इस उपलब्धि की सराहना की है। हम भविष्य में भी नवाचार करते रहेंगे और संचार के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेंगे।

बीएसपी के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने सांसद बघेल को सौंपा ज्ञापन, सभी रिटेंशनधारियों को आवास दिलाने रखी मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने एक नए संगठन सेवा निवृत्त कार्मिक संगठन का गठन किया है। इस संगठन के बैनर तले सदस्यों ने मंगलवार को सांसद विजय बघेल को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया। विशेष रूप से संगठन की मांग है कि सभी रिटेंशन धारियों को आवास लाइसेंस में दिलाने बीएसपी प्रबंधन से चर्चा करने की मांग की गई।

प्रतिनिधि मंडल ने सांसद को ज्ञापन के माध्यम से बताया कि हम सभी रिटेंशनधारी सदस्य भिलाई इस्पात संयंत्र के पूर्व कार्मिक है। हम सभी ने नियत

आरक्षित राशि 10 लाख रुपए तक रिटेंशन के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के निर्देशानुसार डिमांड ड्राफ्ट द्वारा बिना ब्याज के जमा किया है। सभी ने आवासों के भिलाई इस्पात संयंत्र के इस्टेट विभाग द्वारा नियमित किराये का 32 गुना (पनाल्टी सहित), बिजली का बिल व पानी व सफाई जैसे सारे सुविधाओं के लिए नियत शुल्क का नियमपूर्वक भुगतान कर रहे हैं।

प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा वर्तमान में 400 स्वायर फिट एरिया तक के आवासों को ही लाईसेंस पद्धति द्वारा किरायें पर प्रदान किया जा रहा है। सेल के एक ओर युनिट ,स्क (दुर्गापुर) द्वारा वहां के सेवानिवृत कर्मियों जो रिटेंशनधारी है को 400 स्वायर फिट एरिया से भी अधिक के आवासों को लाईसेंस पद्धति द्वारा किराये पर आबंटित किया जा रहा है जो कि न्यायोचित्त और मानवीयता भरा कदम है। सांसद से सभी ने सभी निवेदन किया है कि इस संबंध में उचित कार्रवाई करें। सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांग को सांसद विजय बघेल ने भी न्यायोचित बताते हुए इस संबंध में प्रबंधन से चर्चा करने का आश्वासन दिया। सांसद से मुलाकात के दौरान संगठन के प्रतिनिधि के रूप में सुरेश चंद, महासचिव निर्मल मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश कन्नौजे, उपाध्यक्ष अशोक मिश्रा, कार्यालय सचिव अनिल विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष शैलेश राय सहित रोहितां संह, पी मोहन राव, संतोष सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जिला पंचायत में सुशासन सप्ताह के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में 'सुशासन सप्ताह' के अंतर्गत आज कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत सभा कक्ष में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संजय कुमार दीवान सेवा निवृत्त प्रशासनिक अधिकारी द्वारा सुशासन पर वक्तव्य दिया गया। कार्यशाला में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे, आयुक्त नगर निगम भिलाई राजीव पाण्डेय, अपर कलेक्टर मुकेश रावटे, अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग हरवंश सिंह मिरी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी उपस्थित थे।

खास खबर...

निगम जल विभाग ने शहर के विभिन्न छह मुख्य मार्गो में अपशिष्ट जल का नियमित कर रहे छिड़काव

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर विगत दिनों वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग सेल की बैठक में दिए गए निर्देश के पालन में रायपुर नगर पालिक निगम के जल विभाग द्वारा राजधानी शहर में छह विभिन्न मुख्य मार्गो भनपुरी चौक, आईएसबीटी मुख्य मार्ग भाठागांव से रिंग रोड तक जीईमार्ग में टाटीबंध चौक से एम्स अस्पताल की ओर एवं एम्स अस्पताल गेट नम्बर 1 से गेट नम्बर 5 तक मुख्य मार्ग के दोनों ओर, हीरापुर चौक से कबीर नगर चौक तक, कृषि विश्वविद्यालय लाभाण्डी के सामने मुख्य मार्ग में वायु गुणवत्ता में सुधार और प्रदूषण नियंत्रण कार्य प्रभावी तौर पर किये जाने के उद्देश्य से हेतु नगर निगम के एसटीपी में उपचारित जल का टैंकर के माध्यम से प्रतिदिन नियमित छिड़काव करवाया जा रहा है।

नगर निगम जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नर सिंह फरेन्द्र उक्त कार्य का प्रतिदिन स्थल निरीक्षण सहित मॉनिटरिंग कर रहे हैँ। वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग सेल की बैठक में दिए गए निर्देश के अनुरूप शहर में अत्यधिक धूल वाले विभिन्न छह मुख्य मार्गो में वायु गुणवत्ता सुधार एवं प्रदूषण नियंत्रण हेतु निगम के एसटीपी में उपचारित जल का छिड़काव प्रतिदिन नियमित सुव्यवस्थित रूप से करवाया जा रहा है। एम्स अस्पताल टाटीबंध के सामने जीईरोड मुख्य मार्ग में भी वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु एसटीपी में उपचारित अपशिष्ट जल का टैंकर के माध्यम से छिड़काव करवाया जा रहा है। वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग सेल के निर्देश पर नगर निगम जल विभाग द्वारा रूट चार्ट बनाकर एसटीपी में उपचारित जल का छिड़काव अत्यधिक धूल वाले विभिन्न छह चिन्हित मुख्य मार्गो में वायु गुणवत्ता में सुधार एबं प्रदूषण नियंत्रण हेतु प्रतिदिन नियमित रूप से करवाया जा रहा है।

रहवासियों से नगर निगम ने की अपील, नई डामर रोड पर अपनी कार, वाहन को ना धोएं

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा राजधानी शहर के अनेक मार्गो एवं गलियों में नवीन सड़क डामरीकरण कार्य करवाया जा रहा है। नई डामर रोड में अपनी कार, वाहन, गाड़ी नहीं धोने की अपील नगर निगम रायपुर द्वारा मार्गो एवं गलियों के रहवासियों से नगर हित में की गयी है, कारण कि नई डामर मार्गो में कार, गाड़ी, वाहन धोने के कार्य से नई डामर रोड खराब हो जाती है एवं इससे वहां के रहवासी नागरिकों को असुविधा होती है।

रायपुर नगर निगम ने नई डामर रोड क्षेत्र के सभी रहवासी नागरिकों से नई डामर रोड में अपनी कार, गाड़ी, वाहन नहीं धोकर नगर हित में नई डामर रोड का वांछित लाभ रहवासियों को लम्बे समय तक मिल सकने में अपनी सहभागिता दर्ज करवाने की अपील की है।

कलाभिव्यक्ति महोत्सव में विद्यार्थियों ने बिखेरे नवरस

रायपुर। आरके सारडा विद्या आश्रम स्कूल में आठवें वार्षिक उत्सव के अवसर पर आयोजित कलाभिव्यक्ति महोत्सव में मंच पर विद्यार्थियों ने नवरसों को अभिव्यक्त करते हुए सुंदर प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर कक्षा 9 वीं की छात्रा वेदांतिका त्रिपाठी ने रौद्र रस पर जीवंत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में रामकृष्ण आश्रम, रायपुर के सचिव अव्यात्मानंद ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि विद्यालयों का संचालन और अच्छी शिक्षा की व्यवस्था करना समाज की सबसे बड़ी सेवा है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अजीत सील, अध्यक्ष कलाभवन विश्वभारती शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल ने कहा कि विद्यार्थियों ने नवरसों पर जीवंत प्रस्तुतियां दी हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के विकास और उनमें जीवन मूल्यों के ज्ञान के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। वार्षिक उत्सव में विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कलाभिव्यक्ति समारोह में स्कूल के प्राचार्य अमरकांत मिश्रा, भवानी, शाश्वती कुंडू सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में मंत्री मंडल विस्तार पर सीएम साय का बड़ा बयान

दिल्ली में हुई संगठन की बैठक में तय हुए नाम!

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मंत्रीमंडल विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का बड़ा बयान सामने आया है। दिल्ली दौरे पर छत्तीसगढ़ प्रदेश की 'संगठन पर्व' की समीक्षा बैठक हुई। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश एवं प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुई इस बैठक में मंत्री मंडल व संगठन विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई है। इस बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा भी उपस्थित रहे। बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार के दो मंत्रियों के नाम पर तय कर लिए गए हैं हालांकि यह नाम कौन-कौन से हैं इसका खुलासा नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि जल्द ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपनी सरकार के मंत्री मंडल का विस्तार करेंगे।

मंगलवार को दिल्ली से लौटने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया से चर्चा के दौरान इस बात के संकेत दिए हैं कि जल्द ही मंत्रीमंडल का विस्तार हो सकता है। मीडिया से चर्चा के दौरान सीएम साय ने अपने बयान में खुलकर नहीं बोला लेकिन मुस्कुराते हुए उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार की बात को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार होगा लेकिन उसके लिए थोड़ा सा इंतजार करना होगा। सीएम साय ने इस बात के भी संकेत दिए हैं कि छत्तीसगढ़ के मंत्रीमंडल के विस्तार के साथ कुछ मंत्रियों के विभागों में परिवर्तन भी होगा। सीएम साय ने कहा कि अभी इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

पहले संगठन चुनाव पर है फोकस

सीएम साय ने कहा है कि पार्टी अभी संगठन चुनाव में व्यस्त है। अभी संगठन स्तर पर नियुक्तियां होनी है। जिलों में अध्यक्षों का चुनाव होना है और पार्टी आलाकमालन अभी इन सब को लेकर व्यस्त है। इसे लेकर दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात भी हुई है। सीएम साय के बयान के बाद यह तो स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश में मंत्री मंडल का विस्तार कभी हो सकता है। संगठन के चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ सरकार की नई तस्वीर सामने आ जाएगी।

सीएम कैबिनेट में दो मंत्रियों की जगह है खाली

बता दें कि सीएम विष्णुदेव साय के मंत्रिमंडल में फिलहाल दो मंत्रियों की जगह खाली है। छत्तीसगढ़ में सीएम समेत अधिकतम मंत्रियों की संख्या 13 हो सकती है। सरकार के गठन के बाद विष्णु देव साय ने सीएम पद की शपथ ली थी, इसके अलावा अरुण साव और विजय शर्मा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। 22 दिसंबर 2023 को सीएम साय ने मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए 9 विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया था। सीएम साय की कैबिनेट में शामिल बृजमोहन अग्रवाल ने सांसद बनने के बाद मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद दो जगह खाली हो गई, जिसे भरने की कवायद लगातार चल रही है। सीएम साय के दिल्ली दौर से लौटने के बाद इसकी चर्चा तेज हो गई है।

मंत्री बनने की रेस में इन विधायकों के नाम प्रमुख

छत्तीसगढ़ में कई विधायक मंत्रिमंडल की रेस में शामिल हैं। मंत्री मंडल के पहले विस्तार में कई दिग्गजों के नाम शामिल नहीं थे। सीएम साय ने पहले विस्तार में जिन मंत्रियों को शामिल किया उनमें कई नाम चौंकाने वाले थे। श्याम बिहारी जायसवाल, टंकराम वर्मा, लक्ष्मी राजवाडे, लखन लाल देवांगन जैसे नाम चौंकाने वाले रहे। वहीं अब दूसरी बार विस्तार में भी चौंकाने वाले नाम हो सकते हैं। नए मंत्रियों की रेस में रायपुर पश्चम से विधायक राजेश मूणत व बिलासपुर से अमर अग्रवाल के नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। वहीं कुछ ऐसे विधायक भी मंत्रीपद की रेस में है जो चौंकाने वाले नाम हो सकते हैं। हाल ही में रायपुर दक्षिण से चुनाव जीतने वाले सुनील सोनी के साथ ही सरगुजा से रेणुका सिंह, पंडरिया विधायक भावना बोहरा और दुर्ग शहर से विधायक गजेंद्र यादव आदि के नाम भी मंत्रीपद की रेस में बने हुए हैं।

अंबेडकर विवाद पर कांग्रेस को घेरा

सीएम साय ने अमित शाह के अंबेडकर पर दिए गए बयान को लेकर मचे सियासी बवाल पर कहा कि अमित शाह जी के भाषण के एक अंश को लेकर विरोध करना सही नहीं है। सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहेब अंबेडकर जी का सम्मान नहीं किया। अंबेडकर जी को कांग्रेस पार्टी से बाहर जाना पड़ा। अंबेडकर जी के खिलाफ कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव लड़ा। अब कांग्रेस के नेता अंबेडकर को लेकर इस तरह का दिखावा कर रहे हैं।

सरकारी योजनाओं को नियम के अनुसार आमजनों तक पहुंचाना ही सुशासन है - ठाकुर राम सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुशासन सप्ताह के अवसर पर रायपुर जिले में सुशासन कार्यशाला का आयोजन हुआ। कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्षा में पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ठाकुरराम सिंह ने इस कार्यशाला में अधिकारियों और कर्मचारियों को सुशासन के वास्तविक पहलूओं से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि शासकीय कामकाज निर्धारित नियमों और कानूनों के हिसाब से ही चलते है, परंतु इन नियमों कानूनों का पालन करते हुए शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों से अधिक से अधिक लोगों को लाभंवित करना ही सच्चे अर्थो में सुशासन है। उन्होंने कहा कि हर लोकसेवक को अपने सेवा काल में शासन नहीं बल्कि सुशासन के लिए काम करना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक सरकार की योजनाएं पहुचायी जा सकें,लोग उनका पूरा लाभ ले और अपने जीवन स्तर को बेहतर बना सकें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को टाइम मैनेजमेंट के साथ-साथ ड्रेस कोड का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इससे आने वाले आम लोगों पर प्रभाव पडता है। गुड गर्वनेंस तभी हो सकता है जब आप इसको महसूस करेंगें और इसमें सक्रिय सहभागिता निभाएगें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा पब्लिक से संबंधित कार्य को महत्वता देनी चाहिए। ठाकुर राम सिंह ने रायपुर जिले में सुशासन के लिए किए जा रहे नवाचारों जनदर्शन प्रणाली, बीपीओ सेंटर, जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर आदि का भी अवलोकन किया और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह से इसके बारे में विस्तृत जानकारी भी ली।

उन्होनें कहा कि सुशासन से हमारा तात्पर्य है एक ऐसी व्यवस्था जो न्यायापूर्ण, पारदर्शी और जवाबदेह हो। हमें सुशासन को बढ़ावा देने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा। सुशासन किसी भी देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासन गांव की ओर थीम पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में आज कार्यशाला का आयोजन कलेक्टोरट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में आयोजित किया गया। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों से अपने प्रशासनिक कार्यकाल का लंबा अनुभव साझा किया। अधिकारियों को उपयोगी टिप्स भी दिए। कार्यशाला में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जिले की महत्वपूर्ण उपलब्धियों से उन्हें अवगत कराया। कलेक्टर ने ठाकुर रामसिंह की प्रशासनिक कुशलता के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में उन्होंने प्रशासनिक बारीकियां सीखी। कलेक्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्कृष्ठ कार्य करने वाले शासकीय कर्मचारियों के साथ ब्रेकॉस्ट के बारे में जानकारी दी। पटवारियों के द्वारा स्कूलों आय जाति व निवास प्रमाणपत्र बनाने में भी जानकारी दी। नालदा, तक्षशिला लाइब्रेरी, कलाकेंद्र व कॉल सेंटर के बारे में भी जानकारी दी। इसके अलावा संयुक्त विभागों द्वारा संचालित प्रहरी अभियान के बारे में भी जानकारी दी। कार्यशाला में विभागों द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की प्रस्तुति भी दी गई।

एसएसपी लालउमेद सिंह ने अपराध पर नियत्रंण करने के लिए जल्द स्थापना की जानकारी दी। जो कि कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित होने वाले कॉल सेंटर में ही संचालित होगा। नगर निगम कमिशनर ने आईटी सेक्टर में रोजगार को बढ़ावा देने के विषय में किए जा रहे कार्य के बारे में बताया। सीईओ जिला पंचायत ने जिला पंचायत की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना सहित शासन की अन्य फ्लैगशीप योजनाओं की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कालीबाड़ी स्थित कॉलसेंटर के बारे में जानकारी दी। एसडीएम ने राजस्व मामलों के निराकरण की जानकारी दी। इसी प्रकार अन्य विभागों द्वारा भी योजनाओं में प्रगति से अवगत कराया। कार्यशाला में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप सहित सभी एसडीएम और विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

सेवानिवृत्त आईएस ठाकुर राम सिंह को कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जनदर्शन कक्ष और कॉल सेंटर का जायजा लिया। जहां कलेक्टर ने कॉल सेंटर और जनदर्शन कक्ष की कार्यर्शली के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वहीं इसके कलेक्टोरेट परिसर से लगे मल्टीपर्किंग में स्थित बीपीओ का भी गए। जहां सेवानिवृत आईएएस ने वहां पर मौजूद लोगों से विस्तृत जानकारी ली।

आयुक्त ने सड़क डामरीकरण कार्य की प्रगति का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने मुख्य अभियंता यूके धलेन्द्र, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा की उपस्थिति में 15 वें वित्त आयोग मद के अंतर्गत जारी सड़क डामरीकरण के नए विकास कार्य की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण राजधानी शहर में नगर घड़ी गुरू घासीदास टाइम स्क्वायर के सामने एवं नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के बाजू में सड़क मार्ग में पहुंचकर किया।

प्राथमिकता व गुणवत्तायुक्त कार्य करने के दिए निर्देश

निगम आयुक्त ने कार्य को सतत मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता सहित जनहित में जनसुविधा विस्तार की दृष्टि से शीघ्र पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने नगर निगम रायपुर की ओर से अपील की कि नए सड़क डामरीकरण कार्य वाले मार्गो में अपनी कार, बाइक, गाड़ी आदि को ना धोयें, कारण कि ऐसा करने पर सड़क डामरीकरण कार्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है, जिससे नागरिकों को असुविधा होती है। आयुक्त ने चौबे कॉलोनी के करबला तालाब के किनारे समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से प्रस्तावित गार्डन के विकास एवं सौंदर्यीकरण योजना के स्थल को देखा। इस हेतु नगर निगम रायपुर द्वारा निविदा बुलवाई गयी है। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात गार्डन का कार्य प्राथमिकता से प्रारम्भ करवाने की तैयारी के निर्देश दिए गए हैं।

किन्नरों को समाज में समानता व सम्मान का दिया अधिकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ट्रांजेन्डरों ने केन्द्र सरकार व्दारा दिए गए नागरिक अधिकारों, सुरक्षा, भेदभाव दूर करने, शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य की दी गई सुविधाओं की जानकारी के लिए रायपुर विकास प्राधिकरण में एक कार्यशाला का आयोजिन किया गया।

नेशनल काउंसलिंग फॉर ट्रांसजेंडर कौंसिल की सदस्य विद्या राजपूत, रवीना बरिहा, पप्पी देवनाथ ने प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों को इस कार्यशाला के दौरान संबोधित किया। महासमुन्द की ट्रांसजेन्डर रवीना बरिहा ने विधि की शिक्षा प्राप्त की है। उन्होनें बताया भगवान श्रीराम के लंका से अयोध्या लौटने के बाद उन्होंने किन्नरों की भक्ति से प्रसन्न हो कर आर्शीवाद दिया, इसी आर्शीवाद के कारण किन्नरों को विशेष शक्तियां प्राप्त हुई और उन्हें समाज में एक खास स्थान मिला। ब्रिट्रिश काल के पूर्व काफी मान सम्मान दिया जाता था।

इन्हे किन्नर सहित लगभग 12 नामों से जाना जाता था। लेकिन ब्रिट्रिशकाल में ट्रांसजेन्डरों का बहुत दमन किया गया और उन्हें अपराधी घोषित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने सन् 2019 में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 पारित किया। यह अधिनियम ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को समाज में समानता और सम्मान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह अधिनियम ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को कई महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान करता है, इसमें लिंग पहचान का अधिकार,शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा, भेदभाव के खिलाफ सुरक्षा, पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज प्राप्त करने का अधिकार दिया गया। इस अधिनियम के पारित होने से भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए एक नया अध्याय शुरू हुआ है।

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन की पहल पर आयोजित इस कार्यशाला में विद्या राजपूत ने आगे कहा कि इन दिनों ट्रांसजेन्डरों की सामने सबसे बड़ी समस्या आवास की कमी है। इसके लिए रायपुर विकास प्राधिकरण अपनी योजनाओ में किन्नरों को भी आवास और फ्लैट आवंटित कर सकता है। इस पर रायपुर विकास प्राधिकरण की अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती शिम्मी नाहिद ने कहा कि प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में कई संपत्तिया उपलब्ध है उनमें से ट्रांसजेन्डर समुदाय अपनी आवश्यकतानुसार संपत्ति क्रय कर सकता है। संपत्ति क्रय करने के लिए बैंक से ऋण भी लिया जा सकता है। भविष्य में जो आवासीय योजनाएं बनाई जाएगी उनमें छत्तीसगढ़ शासन से अनुरोध कर ट्रांसजेन्डरों के लिए भी आवासीय सुविधाएं विकसित करने का प्रस्ताव भी भेजा जाएगा।

राशन कार्डधारियों की ई-केवाईसी जल्द से जल्द करें पूर्णः कलेक्टर गौरव सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले में अवैध प्लाटिंग और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई और तेजी से की जाएगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में अवैध प्लाटिंग के मामलों पर तेजी से कार्रवाई करने के सख्त निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए है।

उन्होंने पटवारियों, राजस्व निरीक्षकों सहित तहसीलदारों और अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और अतिक्रमण पर पैनी निगाह रखने और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं निगम के प्रत्येक कर्मचारी एवं अधिकारी संबंधित क्षेत्र पर नजर रखें। जहां पर भी अतिक्रमण या अवैध प्लॉटिंग होता दिखे उसे प्रारंभिक मे ही रोक लिया जाए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने ज़िले के नगर निगम तथा अन्य नगरीय निकायों में अतिक्रमण से संबंधित प्राप्त शिकायतों को पुलिस, राजस्व और नगर निगम से समन्वय स्थापित कर तत्काल निराकरण करने निर्देश दिया। कलेक्टर ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के पूर्व पुलिस को अवश्य सूचना देने को भी कहा। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि राशन कार्डधारियों के लिए ई-केवाईसी का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण किया जाएं। सभी ब्लॉकों में ई-केवाईसी के कार्यो में प्रगति लाई जाएं और इसकी रिपोर्ट जल्द से जल्द भेजी जाएं।

बैठक में कलेक्टर ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशनों, दिव्यांगजन पेंशन आदि के प्रकरणों को भी समय-सीमा में निराकृत करने को कहा। कलेक्टर डॉ. सिंह ने राजस्व संबंधी प्रकरणों को तेजी से निराकृत कर लंबित प्रकरणों में कमी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने बैठक में जन चौपाल, जन शिकायत व समय सीमा प्रकरणों पर कार्यवाही की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। डॉ. सिंह ने विभागीय अधिकारियों से हर एक लंबित आवेदन के बारे में जानकारी ली और सभी का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप समेत अन्य जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

• जीन्स
• टी-शर्ट
• शर्ट
• ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

BIHAR
BOOT HOUSE
Jawahar Market,
Power House
Bhilai 9826181183

'चाहता हूं मेरी 5 बेटियां हो' क्या दूसरी शादी करने वाले हैं हनी सिंह?

बॉलीवुड के मशहूर रैपर हनी सिंह पहली शादी शालिनी तलवार से हुई थी। सिंगर पर उनकी एक्स पत्नी ने घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था। जिसके बाद दोनों का तलाक हो गया। अब हाल ही में हनी सिंह ने एक इंटरव्यू के दौरान जिंदगी में आगे बढ़ने की बात कही है। उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर खुलकर बात की। सिंगर ने बताया कि वह अब जिंदगी में आगे बढ़ना चाहते हैं। इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि क्या वह सच में बेटी चाहते हैं? तो सिंगर ने कहा वह चाहेंगे कि उनकी 5 बेटियां हों।

हनी सिंह ने कहा कि, अगर मैं शादी करता हूं तो जरूर चाहूंगा कि मेरी एक नहीं बल्कि 5 बेटियां हों। अगर ऐसा हुआ तो वह घर पर एक 'स्पाइस गर्ल' का ग्रुप बना लेंगे। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह एक बेटी को गोद जरूर लेंगे। सिंगर का हमेशा से मन था कि उनकी एक प्यारी सी बेटी हो। जब हनी सिंह से पूछा गया कि वह अपने जैसा बेटा नहीं चाहते? तो सिंगर ने साफतौर पर कहा कि वह अपने जैसी केवल बेटी चाहते हैं। हनी सिंह के इस बयान से ये साफहो गया कि वह अपनी तलाक होने के बाद फिर से जिंदगी की नई शुरुआत कर सकते हैं। सिंगर खुद को नया मौका देना चाहते हैं और घर बसाने के साथ-साथ बेटी के पिता बनना चाहते हैं। हालांकि शादी को लेकर सिंगर ने कोई बयान नहीं दिया।

हनी सिंह की पर्सनल लाइफ की बात करें तो सिंगर ने कई इंटरव्यू के दौरान बताया कि जब वह काफी सक्सेसफुल हो गए थे तो नशा करने लगे थे। जिसकी वजह से उनकी पर्सनल लाइफ बर्बाद हो गई। सिंगर की साल 2011 में शालिनी तलवार से शादी हुई थी। लेकिन इसका अंत बहुत ही बुरी तरह हुआ। हनी सिंह का कहना है कि कुछ ही महीने उनकी शादी अच्छी चली लेकिन बाद में दौलत-शोहरत के नशे ने सबकुछ बर्बाद कर दिया था। हालांकि सिंगर ने ये नहीं बताया कि आखिर उनका किस वजह से तलाक हुआ था।

गौहर खान ने शो लवली लोला को बताया कमाल, टीम के साथ की खूब मौज-मस्ती

मनोरंजन जगत की खूबसूरत अभिनेत्री गौहर खान अपने आगामी शो 'लवली लोला' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। शो के प्रमोशन में जुटी अभिनेत्री सोशल मीडिया पर एक से बढ़कर एक पोस्ट साझा कर रही हैं। गोहर ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह टीम के साथ खूब मस्ती करती नजर आईं।

सोशल मीडिया पर अक्सर मजेदार पोस्ट साझा करने वाली अभिनेत्री गौहर खान ने इंस्टाग्राम पर एक और मजेदार पोस्ट को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, लोला के साड़ी और लवली लोला का क्रू, दोनों ही कमाल। यूट्यूब पेज पर जल्दी आ रही है। 25 दिसंबर से, जल्दी करो आप।

वीडियो में गौहर खान, क्रेटेक्स, क्रुणाल घोरपड़े के मराठी गाने 'तांबडी चामडी' पर अपनी टीम के साथ थिरकती नजर आईं। इस गाने को क्रेटेक्स-क्रुणाल ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है, जबकि इसके बोल श्रेयस सागवेकर ने लिखे और गाए हैं।

बिग बॉस विजेता गौहर खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री जल्द ही 'लवली लोला' में नजर आने वाली हैं। इस शो में गौहर के साथ इशा मालवीय लीड रोल में हैं। गौहर इस शो में 21 साल की मां के किरदार में नजर आएंगी। कॉमेडी से भरपूर इस शो में मां-बेटी के बीच खटपट होती दिखाई देगी।

शो का निर्माण रवि दुबे और शरगुन मेहता ने किया है। शो का प्रोमो हाल ही में रिलीज हुआ है। शो यूट्यूब चैनल ड्रीमियता ड्रामा पर स्ट्रीम होगा। लवली लोला शो का पहला एपिसोड 25 दिसंबर को स्ट्रीम होगा।

बता दें कि गौहर खान सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर ट्रेंडिंग रील बनाती रहती हैं। अभिनेत्री का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी मजेदार पोस्ट से भरा पड़ा है। हाल ही में गौहर खान ने एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह नीति मोहन-साद लैमजारेड के गाने होमा डोल पर थिरकती नजर आई थीं।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर डांस का वीडियो साझा कर कैप्शन में लिखा था, मुझे साद लैमजारेड और नीति मोहन का नया गाना बहुत पसंद आया था। ट्रेंडिंग रिल्स, होमा डोल। 'होमा डोल' से पहले गौहर कीर्ति सुरेश और वरुण धवन स्टारर 'बेबी जॉन' के गाने 'नैन मटक्का' पर अभिनेता करण ग्रोवर के साथ थिरकती नजर आई थीं।

ऐश्वर्या के हिस्से आया एक और बड़ा सम्मान, 'जोधा अकबर' के लुक को मिली अकादमी से पहचान

बॉलीवुड की एक समय की टॉप एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन आज भी अपनी खूबसूरती और अभिनय के लिए मशहूर हैं। अब ऐश्वर्या के करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। उनकी 2008 की सुपरहिट फिल्म 'जोधा अकबर' में निभाए गए किरदार को अकादमी ऑफमोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेजने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खास पहचान दी है। अकादमी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर इस फिल्म के एक खास हिस्से को शेयर किया है, जिसमें ऐश्वर्या के किरदार जोधा के विवाह के लहंगे को प्रमुखता दी गई है। यह खूबसूरत लहंगा राजपूताना थीम पर आधारित था और इसे देखकर आज भी लाखों लोग प्रभावित होते हैं।

अकादमी के कलेक्शन में जोड़ा गया जोधा का लहंगा ऐश्वर्या के किरदार जोधा के विवाह का लहंगा अकादमी संग्रहालय की 'कलर इन मोशन' प्रदर्शनी का हिस्सा बनी है। इस लहंगे में जीवंत जरदोजी कढ़ाई, मोर की आकृति और राजसी शान के आभूषण शामिल हैं। इसे डिजाइन करने वाली मशहूर कॉस्ट्यूम डिजाइनर नीता लुल्ला ने इसे सिर्फएक पोशाक नहीं, बल्कि भारतीय विरासत का प्रतीक बताया है।

रेस की बारीकियों का जिक्र

अकादमी ने अपने पोस्ट में इस ड्रेस की बारीकियों का जिक्र करते हुए इसे भारतीय सिनेमा के समृद्ध इतिहास और कलात्मकता का उदाहरण बताया। वीडियो क्लिप में ऋतिक रोशन की झलक भी है, जो फिल्म में अकबर का किरदार निभा रहे थे। प्रशंसकों ने जताई खुशी इस सम्मान को लेकर ऐश्वर्या राय के प्रशंसकों में खासा उत्साह है। उन्होंने सोशल मीडिया पर खुशी जताई और कहा कि यह भारतीय सिनेमा के लिए गर्व की बात है। कई लोगों ने ऐश्वर्या के इस लुक को फिल्म का सबसे यादगार हिस्सा बताया। आज भी इस लुक से इंस्पायर होकर कई महिलाएं शादी और खास मौकों पर इसी तरह के लहंगे डिजाइन करवाती हैं।

भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान

यह पहली बार नहीं है जब अकादमी ने बॉलीवुड का सम्मान किया हो। इससे पहले दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान जैसे सितारों की फिल्मों के यादगार दृश्यों को भी उनकी पोस्ट में जगह मिली है। यह सब भारतीय सिनेमा की ग्लोबल अपील और इसके कलात्मक महत्व का हिस्सा है। ऐश्वर्या राय के इस सम्मान ने न केवल उनकी बल्कि भारतीय सिनेमा की प्रतिभा को भी एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साबित कर दिया है।

ऑस्कर की रेस

जैसे-जैसे ऑस्कर 2025 करीब आ रहा है, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री इस प्रतिष्ठित अवार्ड के नामांकनों का बेसब्री से इंतजार कर रही है। 17 जनवरी को नामांकनों की घोषणा की जाएगी, और भारतीय फिल्मों को इस बार भी बड़ी उम्मीदें हैं। हालांकि, सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री 'लापता लेडीज' इस दौड़ से बाहर हो गई है, लेकिन अन्य फिल्मों और कलाकारों से ऑस्कर में पहचान मिलने की संभावना अभी भी बनी हुई है।

पायल कपाड़िया और गुनीत मोंगा से उम्मीदें

पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक श्रेणी में संभावित नामांकन की उम्मीद है। यह फिल्म अपनी दमदार कहानी और शानदार निर्देशन के लिए सराही जा रही है। दूसरी ओर, गुनीत मोंगा की शॉर्ट फिल्म 'अनुजा', जो कपड़ा उद्योग में बाल श्रम के मुद्दे पर आधारित है, सर्वश्रेष्ठ लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म श्रेणी में शॉर्टलिस्ट की गई है। इस फिल्म में नागेश भोंसले ने अहम भूमिका निभाई है, और इसकी कहानी ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया है।

मानसिक अवरोधों को तोड़ने में मदद करती है अलग-अलग तरह की भूमिका: भूमिका गुरुंग

टीवी अभिनेत्री भूमिका गुरुंग ने अलग-अलग तरह की भूमिका को निभाने को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि अलग-अलग तरह की भूमिका मानसिक अवरोधों को तोड़ने और एक कलाकार के रूप में अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

वर्तमान में 'बस इतना सा ख्वाब' में शगुन की भूमिका निभा रही अभिनेत्री ने बताया कि शगुन की भूमिका उनके व्यक्तिगत विकास को भी दिखाती है। इस बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने साझा किया, मुझे एहसास हुआ कि मैं सिर्फ मुख्य भूमिकाओं तक सीमित नहीं रहना चाहती। अगर सही तरह से निभाया जाए तो एक किरदार कम से कम स्क्रीन टाइम में भी अलग दिख सकता है। यह मानसिक अवरोधों को तोड़ने और भूमिकाओं में विविधता को अपनाने के बारे में है।

गुरुंग ने यह भी खुलासा किया कि शगुन का उनका किरदार पारंपरिक ढांचे से अलग है। शो में उनका किरदार आधुनिक, व्यावहारिक और अपनी पसंद को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है और भारतीय टेलीविजन पर अक्सर दिखाए जाने वाले त्याग करने वाली बहू से के किरदार बिल्कुल अलग है। भूमिका ने बताया, शगुन कोई कोमोलिका या खलनायिका नहीं है। उसकी अपनी भावनाएं हैं, वह गलतियां करती है और अपने फैसलों की जिम्मेदारी खुद लेती है। यही बात उसे दूसरों से अलग बनाती है।

शो के बारे में बात करते हुए भूमिका ने कहा, हम सभी ने कभी न कभी किसी न किसी चीज का सपना देखा है। सपने हमें परिभाषित करते हैं। यही बात शो के टाइटल को प्रासंगिक बनाता है। यह छोटी-छोटी इच्छाओं और आकांक्षाओं के बारे में है, जो हर किसी के साथ जुड़ती है। भूमिका गुरुंग ने कहा, पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री काफी विकसित हुई है। नए ट्रेंड, कार्य संस्कृति और कहानी कहने की तकनीकों को अपनाना बहुत जरूरी है। इसी तरह आप एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ सकते हैं।

क्या केवल नारियल पानी पीने से ठीक हो जाता है हैंग ओवर?

नारियल पानी को अक्सर हैंग ओवर का इलाज बताया जाता है। लोग मानते हैं कि यह शरीर को हाइड्रेट करता है और हैंग ओवर के लक्षणों को कम करता है। नारियल पानी में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने में मदद करते हैं। हालांकि, यह जानना जरूरी है कि केवल नारियल पानी पीने से इस समस्या का समाधान होता है या नहीं। आइए इस लेख के जरिए इस मिथक की सच्चाई जानते हैं।

क्या नारियल पानी है हैंग ओवर का इलाज?

नारियल पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो शरीर को हाइड्रेट करने में मदद करते हैं। यह शरीर में तरल पदार्थ की कमी को पूरा करता है, जिससे आप ताजगी महसूस कर सकते हैं।हालांकि, सिर्फ हाइड्रेशन ही हैंगओवर का इलाज नहीं कर सकता। शराब पीने से सिरदर्द, मतली और कमजोरी जैसी समस्याएं होती हैं।इसलिए, केवल नारियल पानी पीने से सभी समस्याओं का समाधान नहीं होता और आपको अन्य उपाय भी अपनाने चाहिए।

पोषक तत्वों की कमी

शराब पीने के बाद शरीर में कई पोषक तत्वों की कमी हो जाती है, जिससे कमजोरी और थकान महसूस होती है। नारियल पानी में कुछ विटामिन और मिनरल होते हैं, जो शरीर को थोड़ी राहत दे सकते हैं। हालांकि, यह

सभी जरूरी पोषक तत्वों की पूर्ति नहीं कर सकता। इसलिए, संतुलित डाइट लेना भी जरूरी होता है, ताकि शरीर को सभी आवश्यक पोषक तत्व मिल सकें और आप जल्दी ठीक हो सकें।

हैंगओवर के इलाज के वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए तरीके

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि नारियल पानी से हैंग ओवर के दौरान थोड़ी राहत मिल सकती है, लेकिन इसे एकमात्र उपाय मानना गलत होगा। बेहतर होगा कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, पौष्टिक खाना खाएं और आराम करें, ताकि आपका शरीर जल्दी ठीक हो सके।इसके अलावा, विटामिन और मिनरल से भरपूर फलों का सेवन भी फायदेमंद होता है। हैंग ओवर से बचने के लिए अच्छी नींद लेना भी जरूरी है।

हैंग ओवर मिटाने के अन्य उपाय

हैंग ओवर से बचने के लिए केवल नारियल पानी पर निर्भर न रहें। इसके साथ पर्याप्त नींद लें, एक्सरसाइज करें और ताजगी देने वाले फलों का सेवन करें। ये सब मिलकर आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगे और आपको जल्दी ठीक होने में मदद करेंगे। नारियल पानी अकेले ही हैंग ओवर का पूरा समाधान नहीं हो सकता। इसे एक सहायक उपाय के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, पर अन्य स्वस्थ आदतें अपनाना भी उतना ही जरूरी है।

शॉर्ट ड्रेस पहन जाह्नवी कपूर ने बिखेरा हुस्न का जलवा

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर आए दिन अपनी ग्लैमरस और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही सिजलिंग फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

बी-टाउन की खूबसूरत अभिनेत्री जाह्नवी कपूर हमेशा अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में भी लोग लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने पिंक कलर की बेहद ही बोल्ड ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने पिंक कलर की बेहद ही बोल्ड ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक लाखों यूजर्स ने लाइक कर दिया है। वहीं, कुछ यूजर्स कॉमेंट्स और रिएक्शंस के जरिए दिलखोलकर अपना प्यार लूटा रहे हैं। एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल। तीसरे यूजर ने लिखा है- सो ब्यूटिफुल। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

स्कूली बच्चे प्राचीन सांस्कृतिक ज्ञान और मूल्यों से भी हों परिचित-मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उत्साह से भरे स्कूली बच्चों से जब भी मैं मिलता हूँ, मुझमें भी नई ऊर्जा का संचार हो जाता है। आप लोग छत्तीसगढ़ का भविष्य हैं। सभी बच्चे खूब पढ़ें और अपने संस्कार को कभी न छोड़ें। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धमतरी जिले के ग्राम सांकरा में डीपीएस स्कूल के वार्षिकोत्सव अनुभव 2024 में बच्चों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जब भी मैं आप लोगों के बीच आता हूँ तो अपने स्कूली जीवन और अपने शिक्षकों को याद करता हूँ। मेरे शिक्षकों ने जो शिक्षा और संस्कार मुझे दिये, उसकी बदौलत मैं आज यहां खड़ा हूँ। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बच्चे कच्ची मिट्टी के घड़े की तरह होते हैं, उनके शिक्षक और अभिभावक उन्हें आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में आधुनिक ज्ञान विज्ञान के साथ ही हमारे प्राचीन सांस्कृतिक ज्ञान और मूल्यों पर भी जोर दिया गया है। हमने प्राथमिक शिक्षा मातृ-भाषा में बच्चों को शिक्षा देने की व्यवस्था की है। स्कूली बच्चों को समृद्ध इतिहास और संस्कृति के बारे में शिक्षा दी जा रही है। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और रोबोटिक्स के बारे में भी पढ़ा रहे हैं। इन सबका उद्देश्य यह है कि हमारे स्कूली बच्चे रामायण और महाभारत की कहानियां भी जाने और सूचना प्रौद्योगिकी में आ रहे नये बदलावों से भी परिचित हों।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए शिक्षा जरूरी है। शिक्षा विकास का मूलमंत्र है। हम लोगों ने समाज की भागीदारी से स्कूलों में न्योता भोज आरंभ किया है। इसमें लोग अपना जन्मदिन अब सरकारी स्कूलों में बच्चों के बीच मनाते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए हमने विकसित छत्तीसगढ़ का विजन तैयार किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बेटे और बेटियों को प्रदेश में ही बेहतर शिक्षा प्राप्त हो रही है। हमारी सरकार प्रयास स्कूल के माध्यम से आवासीय सुविधा उपलब्ध कराते हुए बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 341 स्कूलों का चयन पीएमश्री स्कूल के रूप में किया गया है। यहां शिक्षा के लिए अच्छी अधोसंरचना तथा स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्तर के सभी प्रमुख शैक्षणिक संस्थान संचालित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुझे यह जानकर खुशी हुई कि डीपीएस विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद को अहमियत दी जा रही है। यहां बच्चों को खेल एवं अच्छे संस्कार भी प्रदाय किए जा रहे हैं। उन्होंने बच्चों को यह संदेश दिया कि पढ़ाई के साथ खेलकूद तथा सह-शैक्षणिक गतिविधियां उनके समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने वार्षिक उत्सव के दौरान बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डीपीएस स्कूल के शिक्षक एवं पालकगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

रायपुर में अम्बेडकर अस्पताल के डॉक्टरों ने किया कमाल

फेफड़े और हार्ट से चिपका पांच किलो का ट्यूमर निकाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने 52 वर्षीय महिला के फेफड़े और हार्ट से चिपका लगभग पांच किलो वजनी मेडिस्टाइनल ट्यूमर को निकालकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सर्जन की टीम इस कैंसरस ट्यूमर को सावधानीपूर्वक बाहर नहीं निकालती तो शरीर के वाइटल ऑर्गन हृदय और फेफड़े में चोट लगने का खतरा हो सकता था। अम्बेडकर अस्पताल के दक्ष सर्जन टीम की बदौलत इस जटिल सर्जरी के बाद मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो गई।

अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग में 52 वर्षीय महिला लेने में तकलीफ की शिकायत के साथ अम्बेडकर अस्पताल पहुंची। सीटी स्कैन एवं अन्य जांच कराने पर पता चला कि मरीज के छाती के अंदर और हार्ट से चिपका हुआ बहुत बड़ा ट्यूमर है। मरीज की हालत इतनी खराब थी कि वह ठीक से सांस भी नहीं ले पा रही थी इसलिए उसको हाईप्रेशर (बाईपेप) वेंटीलेटर में रखा गया। ट्यूमर इतना बड़ा था कि वह हार्ट को दबाकर दूसरे भाग में शिफ्ट कर दिया था एवं फेफड़े के साथ-साथ सांस नली भी दब गई थी। अन्य संस्थानों में मरीज को ऑपरेशन के लिए मना कर दिया गया था।

योजना के अनुसार कैंसर सर्जन डॉ. आशुतोष गुप्ता एवं हार्ट और चेस्ट सर्जन डॉ. कृष्णकांत साहू की टीम के संयुक्त प्रयास से यह ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाल लिया गया। इस ऑपरेशन के दौरान हार्ट लंग मशीन को भी तैयार करके स्टेंड बाई मोड में रखा गया था क्योंकि यदि किसी कारण से हार्ट या पल्मोनरी आर्टरी में चोट लग जाती है तो मशीन से सपोर्ट मिल जाता। ट्यूमर लगभग पांच किलोग्राम का था। बाद में बायोप्सी करने पर पता चला कि यह मैलिग्नेंट ट्यूमर है जिसको सार्कोमा कहा जाता है जो कि बहुत भयावह ट्यूमर होता है। ठीक होने के बाद मरीज को कीमोथेरेपी के लिए कैंसर विभाग में भेज दिया गया।

स्वास्थ्यमंत्री जायसवाल ने दी डॉक्टरों को बधाई

इस तरह की मुश्किल सर्जरी को सफलता पूर्वक संपन्न करने पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अंबेडकर अस्पताल प्रबंधन को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि बहुत जल्द ओपन हार्ट सर्जरी और कोरोनरी बायपास सर्जरी की सुविधा भी लोगों को मिलने लगेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सीएम साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं और अंबेडकर अस्पताल में गंभीर व जटिल बीमारियों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा रहा है। हाल ही में अंबेडकर अस्पताल परिसर में 700 बिस्तरों के नए भवन निर्माण का भी रास्ता खुल गया।

पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सीएम साय ने किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर उन्हें नमन किया है। इस मौके पर उन्होंने एक्स पर भावुक पोस्ट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। सीएम साय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सुशासन के पथ प्रदर्शक, भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अपनी दूरदृष्टि और कुशल नेतृत्व से भारत को वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

सीएम साय ने कहा छत्तीसगढ़ के निर्माता और विकास के मार्गदर्शक श्रद्धेय अटल जी को समूचा प्रदेश सम्मानपूर्वक स्मरण करता है। उनकी प्रेरणा से आज छत्तीसगढ़ शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। श्रद्धेय अटल जी की जयंती पर उन्हें शत-शत् नमन। उनके जीवन मूल्य और आदर्श हमें समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण हेतु प्रेरित करते रहेंगे। सीएम ने अपने पोस्ट में कहा कि ऐसे थे हमारे मार्गदर्शक, परम श्रद्धेय अटल जी भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य बनाकर हमें अपनी पहचान दी। उन्होंने हमें अपने पते पर 'छत्तीसगढ़' लिखने का गौरव दिया। श्रद्धेय अटल जी की जयंती पर उन्हें शत-शत् नमन।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अटल जी कुशल राजनीतिज्ञ होने के साथ एक ओजस्वी वक्ता और कवि हृदय सरल व्यक्तित्व थे। अटल जी की याद में उनका जन्मदिन 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाया जाता है। अटल जी का सपना था ङ्क एक सशक्त, समृद्ध और खुशहाल भारत। उसी सपने को साकार करते हुए छत्तीसगढ़ आज शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुशासन दिवस के अवसर पर हम सभी को अटल जी के दिखाए रास्तों पर चलकर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपना योगदान देकर अटल जी के स्वर्णिम भारत के स्वप्न को पूर्ण करने में सहभागी बनने के लिए दृढ़संकल्पित होना चाहिए।

अटल जी का छत्तीसगढ़ के लोगों से आत्मीय लगाव

सीएम साय ने पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि 25 दिसंबर को छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्मशती है।अटल जी का छत्तीसगढ़ से और छत्तीसगढ़ के लोगों से हमेशा आत्मीय लगाव रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में अटल जी की भूमिका को याद करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़वासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए छत्तीसगढ़ के विकास और यहां के लोगों की समृद्धि के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया। अटल जी के सपनों को पूरा करने की दिशा में राज्य सरकार बड़ी तेजी से काम कर रही है। छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। हमने अटल जी की स्मृति में इस रजत जयंती वर्ष को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है जिसके अंतर्गत राज्य में अधोसंरचना विकास के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की विभाग के योजनाओं की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय कार्यों की समीक्षा की है। स्वास्थ्य मंत्री ने नव पदस्थ स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया की उपस्थिति में विभागीय प्रमुखों एवं सभी अधिकारियों को बेहतर कार्य करने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। बैठक में बीते एक वर्ष के दौरान स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किए गए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गयी साथ ही आने वाले समय के लिए भी अधिकारियों को रणनीति बनाकर जनहित में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए चर्चा की गयी।

समीक्षा बैठक में चिकित्सा शिक्षा , स्वास्थ्य सेवाएं, आयुष, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सीजीएमएससी एवं खाद्य एवं औषधि विभाग से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में श्री जायसवाल ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जनहित से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा है और इसमें लगातार सुधार की गुंजाइश है। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला , एमडी एनएचएम विजय दयाराम के एवं संचालक सीजीएमएससी पद्मिनी भोई समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता के पोस्टर का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास रायपुर में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित होने वाले 24वें राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन किया।

उन्होंने आयोजकों को इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी और वनवासी समाज के उत्थान और खेल संस्कृति के विकास की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रतियोगिता जनजातीय खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने का बड़ा अवसर देगा।

इससे विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों के बीच एकता की भावना भी बढ़ेगी। उन्होंने

कहा कि एक पुनीत उद्देश्य के साथ यह प्रतियोगिता आयोजित हो रही है और इससे वनवासी युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहन मिलेगा।

राष्ट्रीय वनवासी क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 31 दिसंबर 2024 तक राजधानी रायपुर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ 28 दिसंबर को साइंस कॉलेज मैदान में होगा, जिसमें अण्डमान, मणिपुर, पंजाब सहित देश भर के विभिन्न प्रांतों और पड़ोसी देश नेपाल से लगभग 800 खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग लेने राजधानी पहुंच रहे हैं। प्रतियोगिता में खिलाड़ी फुटबॉल और तीरंदाजी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर वन मंत्री और प्रतियोगिता के स्वागत समिति के अध्यक्ष केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, प्रांताध्यक्ष उमेश कच्छप, सचिव डॉ. अनुराग जैन, रामनाथ कश्यप सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

विकलांग युवक - युवतियों के लिए परिचय सम्मेलन आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद द्वारा कान्य कुब्ज ब्राम्हण समाज और शिक्षा मंडल, मारवाड़ी युवा मंच रायपुर सेन्ट्रल तथा सीनियर सिटीजन वेलफेयर फोरम के सहयोग से विकलांग युवक -युवतियों के लिए परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया.आयोजन में छत्तीसगढ़ सहित राजस्थान, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, और झारखण्ड के अनेक युवक -युवती भी शामिल हुए। विवाह के इच्छुक युवाओं के लिए चेतना परिषद द्वारा सहयोगी संगठनों के साथ मिलकर यह राज्य स्तरीय आयोजन रविवार 22 दिसम्बर को रायपुर के बैरनबाजार स्थित आशीर्वाद भवन में रखा गया, जिसमें 258 युवक -युवतियों ने अपना परिचय दिया. इनमें 155 युवक और 103 युवतियाँ शामिल थीं. परिचय के साथ -साथ मौके पर ही 13 जोड़ियों के रिश्ते भी तय हो गए.कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और विशेष अतिथि के रूप में सतना के पूर्व विधायक शंकर लाल तिवारी उपस्थित थे। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए इसे समाज सेवा की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण बताया. उन्होंने परिषद को अपनी शुभकामनाएँ दी और भविष्य में होने वाले ऐसे रचनात्मक आयोजनों के लिए शासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फेंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

साल लकड़ी की तस्करी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर (ए.)। अंबिकापुर में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। वन और पुलिस टीम ने 56 नग साल चिरान लकड़ी लोड पिकअप को पकड़ा है। इस दौरान आरोपियों के पास से साल चिरान लकड़ी, पिकअप वाहन को जब्त किया गया। जब्त किए गए लकड़ी की कीमत करीब 2 लाख रुपये बताई जा रही है।

दरअसल, यह पूरा मामला थाना उदयपुर क्षेत्र का है। मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर वन और पुलिस टीम ने 56 नग साल चिरान लकड़ी लोड पिकअप को पकड़ा। इस दौरान साल चिरान लकड़ी, पिकअप वाहन को जब्त किया गया है। लकड़ी की कीमत अनुमानित 2 लाख रुपये है। वहीं छापामारी के दौरान एक मोटर साइकल तीन आरा,दो बसूला,और दो नग लकड़ी की सिल्ली भी जब्त की गई है। वन अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

कोबरा और डॉग की लड़ाईः घर में घुस रहा था सांप

लोरमी (ए.)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले से किंग कोबरा और डॉग्स के बीच लड़ाई का मामला सामने आया है। दोनों के बीच हुए जंग में किंग कोबरा ने एक डॉग को मौत के घाट उतार दिया। वहीं दूसरे की हालत गंभीर है।

इस घटना में डॉग्स के हमलों से सांप की भी मौत हो गई। यह घटना मुंगेली के पेंड्राकापा में रहने वाले श्रीकांत गोवर्धन के घर की है। जिनके घर के बाहर के हिस्से में पाले दो डॉग्स जिनमें एक लेब्राडोर प्रजाति जबकि दूसरा रॉट वीलर प्रजाति का डॉग है, घर की सुरक्षा में तैनात थे। इसी दौरान घर के इसी हिस्से में कोबरा प्रजाति का सांप दाखिल हो जाता है। जिसके बाद कुत्ते और कोबरा सांप के बीच जंग छिड़ जाती है। जानकारी के अनुसार दो डॉग घर कि निगरानी कर रहे थे। इसी बीच दोनों के सामने कोबरा सांप की एंट्री हो जाती है। फिर क्या था दोनों डॉग सांप के साथ भीड़ गए। डॉग्स के अटैक के बाद कोबरा सांप भी हार नहीं मानता है और वह भी दोनों से भीड़ जाता है। डॉग उसे भौकने लगते है तभी दोनों पर किंग कोबरा अटैक करता है। बार- बार अटैक करने पर एक डॉग की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा कोबरा के हमले से घायल है। जिसका इलाज अभी चल रहा है। वहीं इस घटना में डॉग्स के हमले से कोबरा सांप की भी मौत हो गई।

सौतेले पिता पर बच्चे का अपहरण कर जताई हत्या की आशंका

6 वर्षीय मासूम का रहस्यमय तरीके से अपहरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोटा। बिलासपुर जिले में 6 वर्षीय मासूम के अचचानक रहस्यमय तरीके से गायब होने का मामला सामने आया है। मासूम बच्चे के अपहरण व हत्या की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल सौतेले पिता पर मासूम के अपहरण व हत्या का शक है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। सौतेले पिता को हिरासत में लेकर मासूम बच्चे के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मामला कोटा थाना क्षेत्र के बेलगहना चौकी का है। जहां खोंगसरा के आमागोहन निवासी 6 वर्षीय मासूम बीते कुछ दिनों से लापता है। बताया जा रहा है मासूम अपनी मां के साथ रहता था। इसी बीच बीते 22 दिसम्बर को मासूम बच्चा अचानक ही गायब हो गया। मां ने अपने स्तर पर मासूम बच्चे की खोजबीन की, लेकिन उसका कुछ अतापता नहीं चल पाया। इसके बाद बच्चे की मां ने इसकी शिकायत बेलगहना चौकी में दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में जांच शुरू किया और जांच में मासूम के सौतेले पिता गौरव साहू को शक के आधार पर पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

बताया जा रहा है मासूम की मां का पहला पति नहीं है। इधर जांजगीर के कैथा निवासी गौरव साहू की पत्नी भी उसे छोड़कर चली गई है। लिहाजा दोनों एक साथ रहते थे। गौरव महिला और उसके बच्चे को बीते दिनों अपने गांव ले गया था। लेकिन पारिवारिक विवाद के कारण महिला व बच्चे वापस आ गई थी। गौरव महिला को वापस अपने साथ ले जाना चाहता था, लेकिन बच्चे के कारण महिला उसके साथ नहीं नहीं चाहती थी। ऐसे में मासूम के लापता होने का सीधा शक उसके सौतेले पिता पर ही जा रहा है।

पूछताछ के दौरान गौरव साहू की गतिविधियां संदिग्ध मिली हैं, बार-बार वो अपना बयान बदल रहा है। पहले उसने पुलिस को मासूम को जांजगीर और कोरबा में रखने की बात बताई। लेकिन वहां जब मासूम का कुछ पता नहीं चला, तब अब वो मासूम की हत्या कर लाश भनवारटंकक के जंगल में फेंकने की बात कह रहा है। सौतेले पिता गौरव साहू के बयान के आधार पर पुलिस की टीम अब भनवारटंकक के जंगल में मासूम की पातासाजी कर रही है। फिलहाल मासूम का कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस की जांच जारी है। मासूम का सुराग मिलने के बाद घटना का खुलासा हो पाएगा।

युवक की पिटाई कर हत्या, 13 ग्रामीण हुए गिरफ्तार

धमतरी। धमतरी में चोरी का आरोप लगाकर युवक की बेरहमी से पिटाई कर उसकी हत्या करने वाले 13 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपियों ने कुछ युवकों पर चोरी का आरोप लगाते हुए रात भर उनकी डंडे से पिटाई की थी तथा दूसरे दिन उपचार के दौरान एक युवक ही अस्पताल में मौत हो गई थी।

बता दें कि बिते 22-23 दिसम्बर की मध्य रात्रि सिरसिदा गांव में भीखम साहू के यहां चोरी करने आए हो कहकर कुछ ग्रामीण द्वारा हल्ला करने पर कार्तिक पटेल और मोन्टू साहू वहां से भाग गये और ओंकार साहू को पकड़ लिए। जिससे और कौन-कौन थे साथ में कहकर पूछने पर कार्तिक पटेल और मोन्टू साहू का नाम बताने पर उनको भी घर से बुलाये और कुछ देर बाद 10 से 12 ग्रामीण महिला एवं पुरुष इकट्ठा हो गये। जिसमें ग्राम सिरसिदा के भीखम साहू, नोहर साहू, बुधेश्वर साहू, प्रेम साहू, किशन साहू, बिरेन्द्र साहू, तोरण साहू, रामनाथ साहू, रमेशर साहू, धान बाई साहू, गीतांजली साहू, शशिकला साहू ने ग्रामीणों के साथ मिलकर धान चोरी की बात को लेकर प्रार्थी को एवं मुर्तजर कार्तिक पटेल, संजय साहू, देवेन्द्र साहू, ओंकार साहू,धनेश्वर निषाद को हाथ मुक्का एवं डण्डा से मारपीट करने प्रार्थी व मुर्तजर के परिजन द्वारा मारपीट से सभी के हाथ पैर,पीठ शरीर में गंभीर चोट लगने तथा आरोपीगण के द्वारा रिपोर्ट दर्ज नहीं करायेंगे बोलकर प्रार्थी व मुर्तजर के परिजन को सुपुर्द करने मुर्तजर कार्तिक पटेल के हाथ, पैर, पीठ, शरीर में गंभीर चोट आने से ईलाज दौरान जिला अस्पताल धमतरी में 23 दिसंबर को मृत्यु होने कि लिखित शिकायत पर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। वहीं विवेचना के दौरान प्रार्थी व मुर्तजर के कथन से प्रकरण के आरोपी डोमेश कुमार साहू पिता प्रेम कुमार साहू उम्र 18 वर्ष 02 माह का एवं अन्य आरोपी के द्वारा भी मारपीट करना पाये जाने से प्रकरण में उक्त आरोपी का नाम जोड़ी गई है। प्रकरण के आरोपी भीखम साहू, नोहर साहू, बुधेश्वर साहू, प्रेम साहू, किशन साहू के बयान से अपने अन्य साथी आरोपीगण एवं ग्रामीणो के साथ मिलकर अपराध करना स्वीकार करने पर अपराध में प्रयुक्त लकड़ी के डण्डे को जप्त किया गया है एवं प्रकरण में प्रार्थियों के कथन एवं गवाहों के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध थाना कुरूद में धारा 103 (1), 296 (ख),115 (2), 351(2) 191(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध की गई है,एवं आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

एसीबी के हत्थे चढ़े पटवारी और कोटवार

ऋण पुस्तिका के लिए 90 हजार की मांगी घूस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के पाटन ब्लॉक में ऋण पुस्तिका देने के लिए किसान से 90 हजार की रिश्वत मांगने वाले पटवारी व कोटवार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मंगलवार को एसीबी ने यह कार्रवाई तक की जब पीडित उन्हें पहली किश्त देने गया था। पहली किश्त के रूप में पीड़ित व्यक्ति द्वारा 20 हजार रुपए दिया जा रहा था।

छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को एसीबी ने दुर्ग जिले के पाटन के सुरपा में पटवारी चिन्मय अग्रवाल और उसके सहयोगी कोटवार भूषण लाल टेमरी को गिरफ्तार किया है। दरअसल पाटन ब्लॉक रानीतराई निवासी प्रकाश चन्द्र देवांगन ने एन्टी करप्शन ब्यूरो कार्यालय में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी मां के नाम से ग्राम सुरपा तहसील पाटन में कृषि जमीन खरीदी थी।

उसने बताया कि जमीन का प्रमाणीकरण कर होने के बाद ऋण पुस्तिका देने के लिए पटवारी चिन्मय अग्रवाल ने 90 हजार रुपए रिश्वत की मांगी। प्रकाश चंद्र ने रिश्वत देने की बजाए एसीबी कार्यालय पहुंचकर इसकी शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पटवारी व कोटवार को रंगे हाथों पकड़ने प्लानिंग की गई। किसान ने पटवारी व कोटवार से बात कर 20 हजार पहले और 70 हजार रुपए बाद में देने पर सहमति बनाई। इसके बाद प्लानिंग के अनुसार प्रकाश चंद्र पहली किश्त के रूप में 20 हजार पटवारी चिन्मय अग्रवाल व उसके सहयोगी कोटवार भूषण लाल टेमरी को दे दिए। इस दौरान एसीबी की टीम भी तैनात थी। पाउडर लगे नोट लेने के बाद एसीबी की टीम पहुंच गई और नोट जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

धर्मांतरण कराने का प्रयास करने वाले दो पुरुष व चार महिला भेजे गए जेल

जांजगीर-चांपा (ए.)। शिवरीनारायण के दुकानों में जाकर धर्मांतरण कराने का प्रयास करने के आरोप में शिवरीनारायण पुलिस ने नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गोधना के रहने वाले दो पुरुष और चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से ईसाई धर्म से संबंधित पर्चे और पुस्तकें बरामद की गई।

शनिवार को शिवरीनारायण निवासी बुद्धेश्वर केशरवानी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि वह अपनी दुकान में बैठे थे, तभी दोपहर करीब 12:15 बजे कुछ महिलाएं और पुरुष उनकी दुकान पर आए। उन्होंने एक पुस्तक दी, जिसका शीर्षक था उपहार जो सब कुछ बदल देता है। महिलाओं ने पुस्तक देते हुए कहा, यह हमारे प्रभु यीशु मसीह का उपहार है। आप ईसाई धर्म को अपना लें। प्रभु यीशु मसीह सबसे अधिक शक्तिशाली हैं और दैवीय शक्ति से परिपूर्ण हैं। इस दौरान हिंदू धर्म और उसके देवी-देवताओं के प्रति अपमानजनक बातें कही गईं।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संजय साहू (33), कृष्णा साहू (33), गायत्री साहू (28), पुनीबाई साहू (35), सुशीला साहू (35) और गिरजा साहू (38) के खिलाफमामला दर्ज किया। जांच के उपरांत सोमवार को सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

चार प्रतिष्ठानों से 483 क्विंटल धान किया जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य, राजस्व और मंडी विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार प्रतिष्ठानों से 483 क्विंटल धान जब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 15 लाख रुपये आंकी गई है।

जिले के खाद्य अधिकारी अनुराग भदौरिया ने बताया कि विकासखंड कोटा के ग्राम चंगोरी स्थित जय माता दी मुर्रा उद्योग में 232 क्विंटल (580 कट्टी) धान पाया गया। गोदाम संचालक राधेश्याम साहू वैध दस्तावेज या स्टॉक रजिस्टर प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके चलते मंडी अधिनियम के तहत धान जब्त किया गया।

तखतपुर के ग्राम अमसेना में श्रीराम ट्रेडर्स के गोदाम से 42.80 क्विंटल धान बिना दस्तावेज के पाए जाने पर जब्त किया गया। इसी प्रकार तहसील बोदरी के ग्राम चकरभाठा में जय श्रीकृपा प्रोपाइटर संतोष कुमार फोटानी के पास से 148 क्विंटल और सुरेश पंजवानी के पास से 60 क्विंटल धान जब्त कर गोदाम सील किए गए।

अवैध धान व चावल खरीदी करने वालों पर हुई कार्यवाही

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देश पर जिले के विभिन्न स्थलों के चावल का अवैध खरीदी करने वाले व्यापारियों पर कार्यवाही की गयी है। इसी तारतम्य में खाद्य निरीक्षक रितु मौर्य ने देवांगन ट्रेडर्स नागाबुड़ा में दबिश देकर पी. डीएस के हितग्राहियों से खरीदे गये 35 बोरी वजन 17.5 क्विंटल अवैध चावल एवम् 49 बोरी धान वजन लगभग 19.6 क्विंटल को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों के तहत जप्त किया गया है।

दुधमुंही बच्ची के साथ थाने पहुंची महिला, खुद को किया आग के हवाले

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक महिला ने तीन महीने के बच्चे के साथ खुद को आग लगायी और फिर थाने में घुस आयी। पूरी घटना तिल्दा नेवरा क्षेत्र की बतायी जा रही है। जानकारी के मुताबिक पति-पत्नी के विवाद के चलते ये पूरी घटना की। फिलहाल दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला अपने घर से कैरोसिन लेकर थाने पहुंची थी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से झुलस गए हैं। बच्ची की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। महिला और बच्ची को इलाज के लिए सामुदायिक केन्द्र में भर्ती कराया गया है। दोनों की हालात काफी गंभीर है। बच्ची के शरीर का निचला हिस्सा पूरी तरह से जल गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि इसी विवाद को लेकर आत्महत्या की कोशिश की है।

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति बांधाबाजार, जिला मोहला मानपुर अं. चौकी (छ.ग.)

E-mail-mandi-bbazar.cg@nic.in, Phon- 07747-260405

क्रमांक / मण्डी / निर्माण / 2024-25 / 411 — बांधाबाजार दिनांक 24.12.2024

-::मैन्यूअल निविदा आमंत्रण सूचना::-

कृषि उपज मण्डी समिति बांधाबाजार जिला मोहला मानपुर अं. चौकी (छ.ग.) के द्वारा छ.ग. शासन के लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत दर के आधार पर तीन लिफाफा पद्धति से निम्नदर्शित कार्यों हेतु लो.नि.वि. भवन एवं सडक निर्माण कार्य हेतु दिनांक 01/01/2015 से प्रभावशील एस.ओ. आर एवं इस निविदा सूचना के जारी दिनांक तक संशोधित में निविदाएं निम्न विवरण अनुसार केवल पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है ।

1. **निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि - 17.01.2025 को सायं 05.00 बजे तक**
2. **निविदा दर प्राप्ति की अंतिम तिथि - 30.01.2025 को सायं 05.00 बजे तक**
3 **निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि - 07.02.2025 को दोप. 03.00 बजे तक**

क्र.	स्थान	कार्य का नाम	संख्या	अनुमानित लागत (लाख रू.)	अमानत राशि (राशि रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समय अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी	दर अनुसूची
1	धान उपार्जन केन्द्र मोहला	पक्के चबुतरे आकार (10.80X7.20) मी, (1 नग की लागत 1.65)	4	6.40	6400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	C.G. P.W.D. building warks S.O.R. w.e.f. 01.01.2015 C.G. PWD & elec. warks S.O.R. w.e.f. 01.07.2015
2		पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी,	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
3	धान उपार्जन केन्द्र भोजटोला (नवीन)	पक्के चबुतरे आकार (10.80X7.20) मी, (1 नग की लागत 1.65)	4	6.40	6400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
4		पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
5	धान उपार्जन केन्द्र सोमाटोला	पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
6	धान उपार्जन केन्द्र गोटाटोला	शेड आकार (30.00x10.00) मी	1	14.35	14400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
7	धान उपार्जन केन्द्र मटेवा (नवीन)	पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
8		शेड आकार (30.00X10.00) मी	1	14.35	14400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
9	धान उपार्जन केन्द्र चौकी	पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
10		शेड आकार (30.00X10.00) मी	1	14.35	14400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
11	धान उपार्जन केन्द्र आतरगांव	पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
12		शेड आकार (30.00X10.00) मी	1	14.35	14400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
13	धान उपार्जन केन्द्र छछानपहरी	पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
14		शेड आकार (30.00X10.00) मी	1	14.35	14400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
15	धान उपार्जन केन्द्र कौडीकसा	पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
16		शेड आकार (30.00x10.00) मी	1	14.35	14400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
17	धान उपार्जन केन्द्र ढाढुटोला (बांधाबाजार)	पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
18		शेड आकार (30.00x10.00) मी	1	14.35	14400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
19		200 में टन गोदाम संख्या	1	12.11	12100	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
20	धान उपार्जन केन्द्र आमाटोला	पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
21		शेड आकार (30.00X10.00) मी	1	14.35	14400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
22	धान उपार्जन केन्द्र चिल्हाटी	पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
23		शेड आकार (30.00X10:00) मी	1	14.35	14400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	C.G. P.W.D. building warks S.O.R. w.e.f. 01.01.2015 C.G. PWD & elec. warks S.OR. w.e.f. 01.07.2015
24	धान उपार्जन केन्द्र विचारपुर (नवीन)	पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
25		शेड आकार (30.00X10.00) मी	1	14.35	14400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
26	धान उपार्जन केन्द्र सीतागांव	पक्के फड़ आकार (60.20X9.20) मी	1	8.55	8600	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
27		शेड आकार (30.00X10.00) मी	1	14.35	14400	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	
28	मूल मंडी प्रांगण बांधाबाजार	मूल मंडी प्रांगण बांधाबाजार में निर्मित 02 नग 500 मी टन गोदाम में पहुंचमार्ग में डब्ल्यु. बी. एम रोड निर्माण कार्य	400 mtr	13.99	14000	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	C.G. P.W.D. ROAD warks S.O.R. w.e.f. 01.01.2015
29		मूल मंडी प्रांगण बांधाबाजार में निर्मित 02 नग 500 मी. टन गोदाम में पहुंचमार्ग में डब्ल्यु बी एम रोड के किनारे नाली निर्माण कार्य	220 mtr	4.91	5000	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	C.G. P.W.D. building warks S.O.R. w.e.f. 01.01.2015
30		बाउंड्रीवाल मरम्मत कार्य		2.93	3000	1000/-	03 माह	डी एवं उच्च	

शर्तें :-

1) निविदा प्राप्त करने के लिए वैध पंजीयन / जी.एस.टी. पंजीयन, पेन कार्ड एवं वाणिज्यिक चुकता प्रमाण-पत्र, बैंक साल्वेंसी (एक साल से पुराना न हो अनुमानित लागत का 15 प्रति मूल्य का) की मूल प्रति अवलोकनार्थ एवं तथा आवेदन सहित समस्त दस्तावेजों की नोटरी से सत्यापित छायाप्रति प्रस्तुत करने के उपरांत दिनांक 17.01.2025 तक कार्यालयीन समय में निर्धारित शुल्क राशि रू. 1000/- की नगद राशि जमा कर प्राप्त किये जा सकते है । निविदा प्रपत्र का मूल्य वापसी योग्य नही होगा ।
2) अमानत राशि राष्ट्रीयकृत बैंक से जारी एफ.डी.आर./टी.डी.आर. या डाक विभाग द्वारा जारी एम.एस.सी. के रूप में सचिव कृषि उपज मंडी समिति बांधाबाजार, जिला-मोहला मानपुर अं. चौकी के नाम से देय ही स्वीकार्य होगी ।
3) कार्यों से संबंधित जानकारियों एवं अन्य शर्ते दिनांक 17.01.2025 तक कार्यालीयन समय में देखी / प्राप्त की जा सकती है जो कि इस निविदा अनुबंध का अनिवार्य भाग है एवं वरिष्ठालय के पत्र क्र. 4005 दिनांक 27.09.2024 के द्वारा संलग्न अतिरिक्त शर्ते क्र. 10 एवं 11 इस निविदा शर्तों का भाग होगा ।
4) इस आमंत्रित निविदा अनुसार उपरोक्त कार्यों के लिये निविदा दर प्रस्तुतीकरण के सन्दर्भ में लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन के परिपत्र क्रमांक - 625/3675/टी/11/19/ निविदा रायपुर दिनांक 05.03.2011 द्वारा प्रभावशील नियम लागू / प्रभावशील है।
5) उपरोक्त कार्य हेतु यदि निविदाकार द्वारा लागू दर / दर अनुसूची में 10 प्रतिशत कम दर कोट किया जाता है तो निविदा हेतु स्पेशल शर्ते लागु होगी। तदनुसार अंतर की राशि **"सचिव कृषि उपज मंडी समिति बांधाबाजार, जिला-मोहला मानपुर अं. चौकी** के नाम एफ.डी.आर. के रूप में अनुबंध निष्पादन के पूर्व जमा करना होगा। शर्तो की प्रति निविदाओं के साथ प्रदाय की जावेगी।
6) लिफाफा **"अ"** में ई.एम.डी. एवं शपथ पत्र लिफाफा **"ब"** में समस्त दस्तावेजों (वैध पंजीयन, श्रम कल्याण मंडल (ई.पी.एफ.) का पंजीयन प्रमाण-पत्र, बैंक सालवेंसी (एक वर्ष से पुराना न हों एवं अनुमानित लागत का 15 प्रतिशत की मूल्य का) जी.एस.टी. पंजीयन, पैनकार्ड की छायाप्रति, लिफाफा **"स"** में निविदा प्रपत्र एवं लिफाफा **"द"** में **"अ" "ब"** एवं **"स"** को भरकर प्रस्तुत किया जायेगा तथा लिफाफा **"द"** में कार्य क्रमांक एवं कार्य का नाम का स्पष्ट उल्लेख करें ।

(यशवंत कुमार ठाकुर)
सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति बांधाबाजार
जिला - मोहला मानपुर अं. चौकी (छ.ग.)

(टी. आर. सलामे)
भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति बांधाबाजार
जिला - मोहला मानपुर अं. चौकी (छ.ग.)

S-42544/3

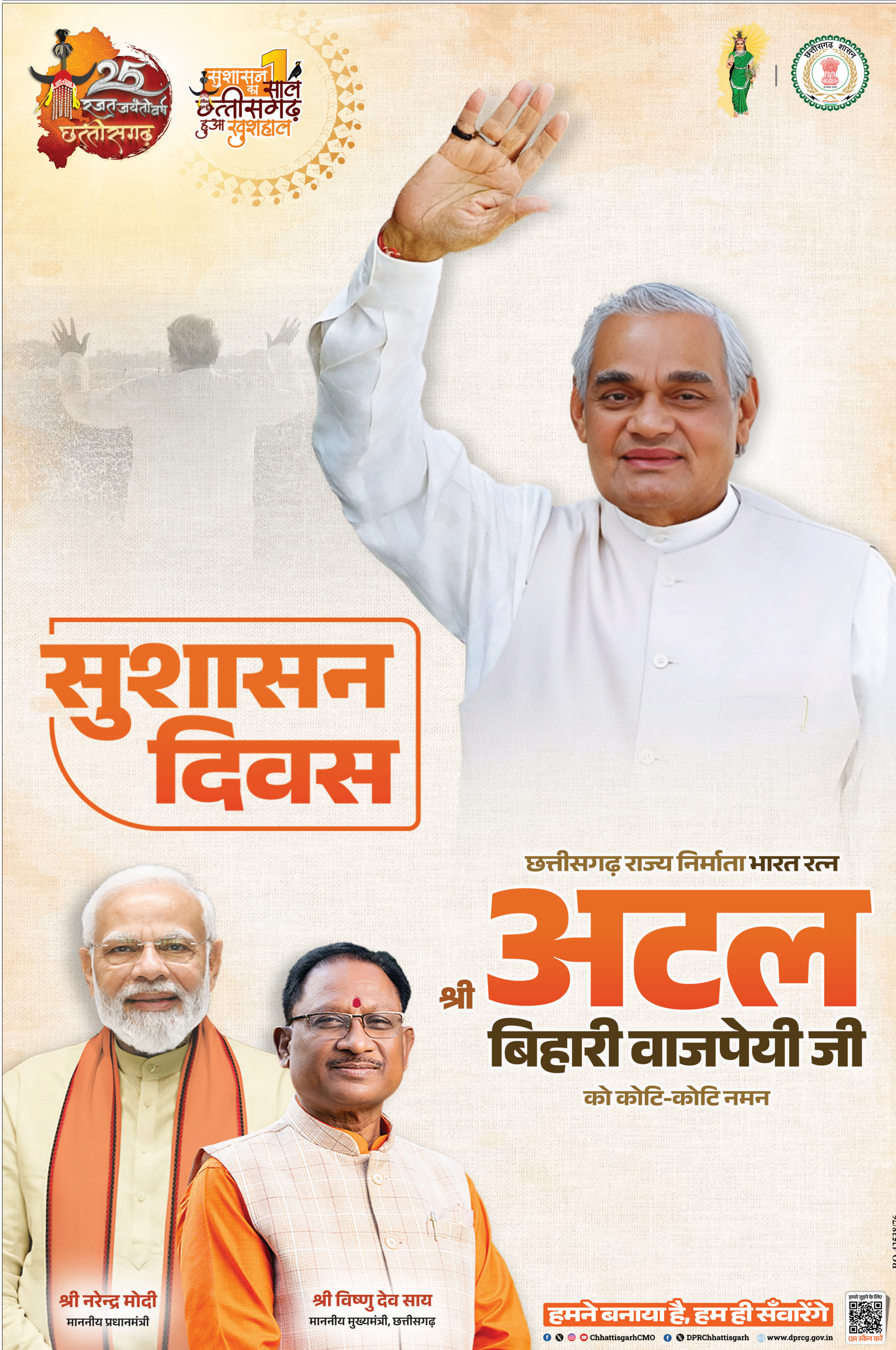

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950